राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार ,12 सितंबर–2021 वर्ष–4,अंक–231 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पीएम मोदी ने किया सरदार धाम भवन का लोकार्पण, बोले–युवाओं को मिल रहीं नई दिशाएं

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अहमदाबाद में सरदारधाम भवन का उद्घाटन किया। यह भवन प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले ग्रामीण इलाकों की लड़कियों और लड़कों को छात्रावास की सुविधा मुहैया कराएगा। पाटीदार समाज की ओर से विकसित इस कॉम्प्लेक्स में स्टूडेंट्स को उचित दर पर ट्रेनिंग, बोर्डिंग और रहने की सुविधा मिलेगी। पीएम मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए सुबह 11 बजे सरदारधाम फेज-II कन्या छात्रावास का भूमि पूजन भी किया। कार्यक्रम के दौरान गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और उपमुख्यमंत्री नितिन पटेल भी मौजूद रहे। सरदारधाम भवन का लोकार्पण करते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'किसी भी शुभ काम से पहले हमारे यहां गणेश पूजन की परंपरा है और शौभाग्य से सरदारधाम भवन का श्रीगणेश भी गणेश पूजन के पवित्र त्योहार के अवसर पर हो रहा है।'

विवेकानंद के भाषण को याद किया-पीएम मोदी ने शिकागो में दिए गए विवेकानंद के भाषण को याद करते हुए कहा कि आज के ही दिन 1893 में शिकागो में विश्व धर्म संसद का आयोजन हुआ था। आज के ही दिन स्वामी विवेकानंद ने वैश्विक मंच पर खड़े होकर दुनिया को भारत के मानवीय मूल्यों से परिचित करवाया था।

आतंकी घटनाओं को याद रखना होगा-वहीं, अमेरिका में 20 साल पहले हुए 9/11 आतंकी हमले की बरसी का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि हमें इन आतंकी घटनाओं के सबक को याद रखना होगा तो साथ ही मानवीय मूल्यों के लिए पूरी आस्था के साथ प्रयास भी करते रहना होगा। उन्होंने आगे कहा कि आज जब हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं, तब देश ने सबका साथ, सबका विकास और सबका प्रयास का मंत्र दिया है। गुजरात तो अतीत से लेकर आजतक साझा प्रयासों की जमीन रही है। आजादी की लड़ाई में गांधीजी ने यहीं से दांडी मार्च की शुरुआत की थी। इसी तरह खेड़ा आंदोलन में सरदार पटेल के नेतृत्व में किसान, नौजवान, गरीब की एकजुटता ने अंग्रेजी हुकूमतों को झुकने पर मजबूर कर दिया था।

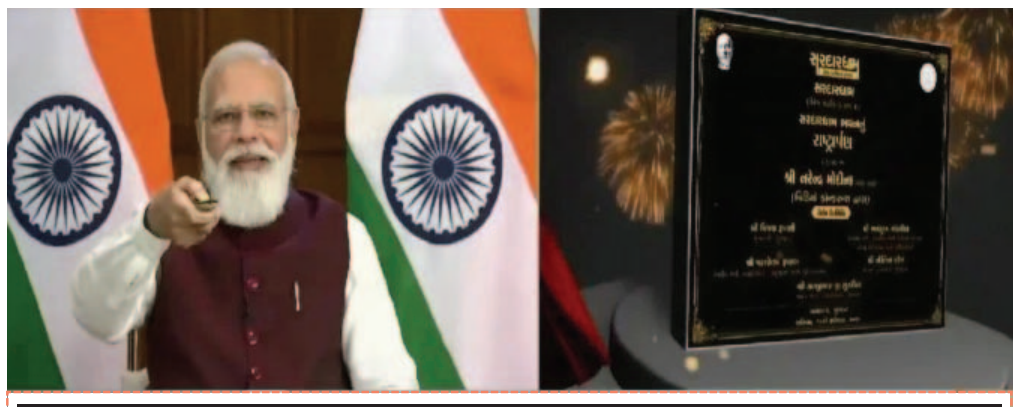

200 करोड़ रुपए की लागत से पहले फेज का काम पूरा-बता दें, सरदारधाम एजुकेशनल और सामाजिक बदलाव, समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान और युवाओं को रोजगार के अवसर मुहैया कराने की दिशा में काम कर रहा है। अहमदाबाद में भवन के पहले फेज का काम 200 करोड़ रुपए की लागत से पूरा हुआ है। यह अहमदाबाद-गांधीनगर सीमा क्षेत्र में वैष्णोदेवी सर्कल के पास 11,672 वर्ग फुट में बनाया गया है।

सरदारधाम में 1.6 हजार स्टूडेंट्स के लिए आवासीय सुविधाएं-सरदारधाम में 1.6 हजार स्टूडेंट्स के लिए आवासीय सुविधाएं, 1 हजार कंप्यूटर सिस्टम, ई-लाइब्रेरी, हाई टेक क्लासरूम, जिम, ऑडिटोरियम, 50 लग्जरी कमरों के साथ रेस्ट हाउस और राजनीतिक बैठकों के लिए दूसरी सुविधाएं हैं।

1 हजार स्टूडेंट्स की क्षमता वाली लाइब्रेरी

● इस भवन में 1 हजार स्टूडेंट्स की क्षमता वाली लाइब्रेरी, 450 सीटिंग कैपेसिटी का ऑडिटोरियम, 1 हजार लोगों को क्षमता के दो मल्टीपर्पज हॉल, इनडोर गेम और दूसरी सुविधाएं हैं। भवन के सामने सरदार वल्लभभाई पटेल की 50 फीट ऊंची ब्रॉन्ज की मूर्ति स्थापित है।

दिल्ली-यूपी समेत देश के कई इलाकों में हो रही झमाझम बारिश; सुहावना हुआ मौसम

नई दिल्ली। जाते-जाते मानसून की बारिश देश के अनेकों हिस्सों को सराबोर कर देगी। दक्षिण पश्चिम मानसून सत्र आधिकारिक रूप से एक जून से प्रारंभ और 30 सितंबर को समाप्त माना जाता है। शनिवार सुबह भी दिल्ली-एनसीआर में तेज हवा के साथ बारिश की शुरुआत हुई। जबकि मौसम विभाग के आकलन के अनुसार अगस्त में मानसून कमजोर पड़ गया था। बता दें कि मौसम विभाग ने सुबह 4.30 बजे ट्वीट के जरिए दिल्ली-एनसीआर और इसके आस-पास के इलाकों में तेज हवा के साथ भारी बारिश की संभावना जताई। मौसम विभाग ने बताया कि दिल्ली एनसीआर में तेज हवा चलेगी जिसकी स्पीड 20-40 चद्व/द्ध होगी। दक्षिण पश्चिम मानसून सत्र आधिकारिक रूप से एक जून से प्रारंभ और 30 सितंबर को समाप्त माना जाता है। मौसम विभाग के अनुसार राजस्थान के उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, सिरोही, राजसमंद, चित्तौडगढ़ व झालावाड़ में अगले तीन दिन तक भारी बरसात हो सकती है।

पिछले माह कमजोर रहा मानसून-अगस्त महीने में 24 फीसद कम बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने शुक्रवार को कहा कि यह 12 वर्षों में न्यूनतम है। देश में कमजोर मानसून के दो बड़े सप्ताह नौ से 16 अगस्त और 23 से 27 अगस्त साबित हुए। देश के उत्तर पश्चिम, मध्य और इससे जुड़े प्रायद्वीप एवं पश्चिमी तट में वर्षा की स्थिति कमजोर रही।जून महीने में 10 फीसद अधिक वर्षा हुई, लेकिन जुलाई और अगस्त में क्रमशः सात और 24 फीसद कम वर्षा दर्ज की गई। मध्य भारत में 39 फीसद कम वर्षा हुई। इस क्षेत्र में महाराष्ट्र, गुजरात, गोवा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा आते हैं। उत्तर पश्चिम भारत संभाग में उत्तर के राज्य शामिल हैं। इस क्षेत्र में 30 फीसद कम बारिश दर्ज हुई है। दक्षिणी प्रायद्वीप में 10 फीसद कम, जबकि उत्तर पूर्व संभाग में सामान्य से दो फीसद ज्यादा बारिश हुई।

कोविड टीकाकरण बढ़ने के साथ–साथ कम होती चली गईं लोगों की मौतें

नई दिल्ली। एक दिन पहले केंद्र सरकार ने नेशनल वैक्सीन ट्रैकर सिस्टम लॉन्च करने की घोषणा करते हुए कहा था कि वैक्सीन की दोनों खुराक लेने के बाद 97 फीसदी से भी अधिक मृत्यु की आशंका को कम किया जा सकता है। इसी ट्रैकर की बदौलत सरकार को टीकाकरण का असर पता चला है। टीके की ताकत ऐसी है कि जैसे-जैसे टीकाकरण बढ़ता चला गया, कोरोना से लोगों की मौतें कम होती चली गईं। 18 अप्रैल से नौ मई के बीच जब देश महामारी की दूसरी लहर का संकट झेल रहा था, तब टीकाकरण सबसे निचले पायदान पर था। शायद यह भी एक वजह थी कि उस दौरान सप्ताह में औसतन 10 लाख की आबादी पर 28 से भी अधिक लोगों की मौत दर्ज की जा रही थी लेकिन इसके बाद सरकार को स्थिति संभालने में करीब एक महीने का वक्त लगा और फिर 16 मई के बाद से टीकाकरण बढ़ता चला गया, मौत कम होती चली गईं। 12 अप्रैल से 15 अगस्त के बीच कोरोना से हुई मौतों का जब गणितीय अध्ययन किया गया तो पता चला है कि 12 से 18 अप्रैल के बीच 10 लाख की आबादी पर टीका लेने वाले 19.2 लोगों की मौत हुई। जबकि पहली खुराक ले चुके 1.72 और दोनों खुराक ले चुके 0.46 लोगों की मौत दर्ज की गई।

22.52, दो मई के सप्ताह में 27.23 और नौ मई के सप्ताह में 28.89 यानी करीब 29 लोगों की मौत हुई। नौ मई के सप्ताह में पहली खुराक लेने वाले 10 लाख में से 1.87 की मौत हुई और दो खुराक ले चुके 1.1 लोगों की मौत हुई। स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त निदेशक ने कहा, उन दिनों के हालात कभी यादों से खत्म नहीं हो सकते।

महज दाखिल खारिज होने से नहीं मिल जाता संपत्ति पर मालिकाना हक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि महज राजस्व रिकॉर्ड में दाखिल खारिज की प्रविष्टि से संपति पर किसी व्यक्ति का मालिकाना हक पक्का नहीं हो जाता। शीर्ष अदालत ने कहा कि किसी संपति का दाखिल खारिज महज नगर निगम के राजस्व रिकॉर्ड में 'टाइटल एंट्री' से जुड़ा एक बदलाव है, जिसके वित्तीय उद्देश्य होते हैं।

जस्टिस एमआर शाह और जस्टिस अनिरुद्ध बोस की पीठ ने कहा कि इसमें कोई विवाद नहीं हो सकता है कि किसी वसीयत के आधार पर अधिकार का दावा उस वसीयत के कर्ता की मृत्यु के बाद ही किया जा सकता है।

पीठ ने कहा कि कानून के तय नियमों के अनुसार, महज दाखिल खारिज प्रविष्टि से किसी व्यक्ति का किसी संपत्ति पर मालिकाना हक नही बन जाता। यदि मालिकाना हक को लेकर कोई विवाद है और खासतौर पर जब वसीयत के आधार पर दाखिल खारिज प्रविष्टि की मांग की जाती है, तो जो मालिकाना हक का दावा कर रहे पक्ष को उचित अदालत का दरवाजा खटखटाना होगा।

● जस्टिस एमआर शाह और जस्टिस अनिरुद्ध बोस की पीठ ने कहा कि इसमें कोई विवाद नहीं हो सकता है कि किसी वसीयत के आधार पर अधिकार का दावा उस वसीयत के कर्ता की मृत्यु के बाद ही किया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट के कई पुराने फैसलों का जिक्र करते हुए पीठ ने कहा कि राजस्व रिकॉर्ड में संपत्ति का दाखिल खारिज न तो संपत्ति पर मालिकाना हक बनाता है और न ही समाप्त करता है। इस तरह की प्रविष्टियां केवल भू-राजस्व एकत्र करने के उद्देश्य से प्रासंगिक हैं।

रीवा के एक मामले में दिया फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने यह निर्णय मध्य प्रदेश के रीवा के एक मामले में दिया। इस मामले में रीवा के अपर आयुक्त ने याचिकाकर्ता की तरफ से प्रस्तुत वसीयत के आधार पर राजस्व रिकॉर्ड में उसका नाम बदलने का निर्देश दिया।

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने कुछ पक्षों द्वारा दायर एक याचिका पर अपर आयुक्त के आदेश को रद्द कर दिया और याचिकाकर्ता को कथित वसीयत के आधार पर अपने अधिकार तय कराने के लिए उपयुक्त अदालत का दरवाजा खटखटाने का निर्देश दिया। हाईकोर्ट के इस आदेश को याचिकाकर्ता की ओर से सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी। अब सुप्रीम कोर्ट ने भी हाईकोर्ट के फैसले को सही ठहराया है।

'कैप्टन कूल' एमएस धोनी समेत आम्रपाली समूह के 1800 घर खरीदारों को नोटिस

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी समेत उन 1800 लोगों को सुप्रीम कोर्ट की तरफ से नियुक्त रिसीवर ने बकाया भुगतान का नोटिस भेजा है, जिन्होंने नोएडा में आम्रपाली समूह की विभिन्न आवासीय परियोजनाओं में घर खरीद रखे हैं। रिसीवर ने इन सभी को 15 दिन के अंदर बकाया पैसा जमा कराने का निर्देश दिया है। साथ ही रिसीवर ने इस पब्लिक नोटिस में यह भी कहा है कि यदि फ्लैट खरीदार रिसीवर द्वारा बनाई गई ग्राहकों की सूची में अपना नाम दर्ज कराने में विफल रहते हैं और 15 दिन के भीतर भुगतान शुरू नहीं करते हैं, तो उनका फ्लैट आवंटन अपने आप रद्द हो जाएगा। यह नोटिस आम्रपाली समूह की नोएडा और ग्रेटर नोएडा में बंद पड़ी परियोजनाओं को पूरा करने के लिए गठित आम्रपाली स्ट्राल्ड प्रोजेक्ट्स इन्वेस्टमेंट रिकंस्ट्रक्शन एस्टेब्लिशमेंट (एस्पायर) ने बृहस्पतिवार को समाचार पत्रों के जरिये जारी किया था। समूह की 20 से अधिक आवासीय परियोजनाओं के निर्माण को करीब 8000 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश के साथ अदालत की तरफ से नियुक्त समिति की निगरानी में पूरा करने की जिम्मेदारी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी

एनबीसीसी को दी गई है। सुप्रीम कोर्ट ने आम्रपाली आवासीय परियोजनाओं का अधिग्रहण करने के बाद सभी घर खरीदारों को अपना विवरण दर्ज कराने और शेष राशि का भुगतान करने के लिए कहा था। लेकिन जुलाई, 2019 में आए सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश के बाद भी महेंद्र सिंह धोनी समेत 1800 खरीदारों ने कोई कदम नहीं उठाया है।

स्पीकर को बिना जांच किए विधायकों के इस्तीफे स्वीकार करने की शक्ति–सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक फैसले में व्यवस्था दी है कि विधानसभा अध्यक्ष को विधायकों के इस्तीफे स्वीकार करने की शक्ति है और वह बिना जांच किए इन्हें स्वीकार कर सकता है। न्यायमूर्ति यू.यू. ललित, एस. रविंद्र भट और बेला एम. त्रिवेदी की पीठ ने यह फैसला भाजपा के तीन विधायकों की विशेष अनुमति याचिका पर दिया। फैसले में पीठ ने कहा कि अगर विधायक कह रहे हैं कि उन्होंने दबाव में या किसी डर के करण इस्तीफे दिए तो क्या उन्होंने इस बारे में किसी से कोई शिकायत की थी। विधायकों के वकील ने कहा कि यह डर ही था कि उन्हें त्याग-पत्र लिखने के बाद प्रेस वार्ता भी करनी पड़ी। अदालत ने कहा कि जब कोई शिकायत नहीं की गई तो उसे दबाव में कैसे माना जा सकता है।

● भाजपा के विधायक टी. होइकिप, सेमुल जेंडाई और एस. सुभाष चंद्र सिंह ने मणिपुर विधानसभा अध्यक्ष को 17 जून 2020 को अपने–अपने इस्तीफे लिखकर भेज दिए थे। इस्तीफे उन्होंने स्वयं अपने हाथ से लिखे थे और इसके बाद उन्होंने प्रेस वार्ता करके इस बात की जानकारी सार्वजनिक भी कर दी।

हालांकि, प्रक्रिया और कार्य विनियमन के नियम 315 (3) और संविधान के अनुच्छेद 190 (3) (बी) के तहत स्पीकर यह जांच कर सकता है कि क्या विधायकों ने इस्तीफे वास्तव में और स्वेच्छा से दिए हैं। लेकिन यह जांच कैसे होगी, किस तरह से होगी, यह पूर्ण रूप से विधानसभा अध्यक्ष के विवेक पर छोड़ा गया है। यह कहते हुए अदालत ने नेताओं की याचिका खारिज कर दी। भाजपा के विधायक टी. होइकिप, सेमुल जेंडाई और एस. सुभाष चंद्र सिंह ने मणिपुर विधानसभा अध्यक्ष को 17 जून 2020 को अपने-अपने इस्तीफे लिखकर भेज दिए थे। इस्तीफे उन्होंने स्वयं अपने हाथ से लिखे थे और इसके बाद उन्होंने प्रेस वार्ता करके इस बात की जानकारी सार्वजनिक भी कर दी। स्पीकर ने उसी दिन शाम को उनके इस्तीफे स्वीकार कर लिए और अगले दिन 18 जून को इस बारे में शासकीय गजट में अधिसूचना भी जारी कर दी गई। विधायकों ने इस अधिसूचना को मणिपुर उच्च न्यायालय में चुनौती दी और कहा कि अध्यक्ष ने यह जांच नहीं करवाई कि इस्तीफे क्यों दिए गए। क्या इसके देने के पीछे कोई धमकी या दबाव तो नहीं था। लेकिन इंफाल उच्च न्यायालय ने 13 जुलाई 2021 को उनकी याचिका खारिज कर दी। उच्च न्यायालय ने कहा कि यदि इस्तीफे वास्तविक हैं और स्वैच्छिक हैं तो स्पीकर के उन्हें स्वीकार करने में कोई गलती नहीं है।

बड़े प्रोजेक्ट से बेहतर हैं छतों पर लगे सोलर पैनल

दिल्ली। भारत जुलाई, 2021 तक रूफटॉप सोलर से सिर्फ 5.1 गीगावॉट ऊर्जा का ही उत्पादन कर रहा था. जो साल 2022 तक रूफटॉप सोलर से 40 गीगावॉट बिजली उत्पादन के लक्ष्य का सिर्फ 13त्न ही है. ऐसे में अब यह लक्ष्य पूरा करना संभव नहीं लग रहा है.दुनिया 2022 की ओर तेजी से बढ़ रही है और इसी के साथ भारत का रूफटॉप सोलर यानी छतों पर लगे सोलर पैनल के जरिए 40 गीगावॉट बिजली उत्पादन का लक्ष्य असंभव नजर आने लगा है. भारत सरकार ने यह सपना 2015 में देखा था और यह 175 गीगावॉट के उस रिन्यूएबल एनर्जी उत्पादन कार्यक्रम का हिस्सा था, जिसे 2022 तक पूरा किया जाना था. बाद में इस लक्ष्य को बदलकर साल 2030 तक 450 गीगावॉट ग्रीन एनर्जी उत्पादन कर दिया गया. अब तक भारत 100 गीगावॉट से ज्यादा की ग्रीन एनर्जी उत्पादन क्षमता हासिल कर चुका है, जिसका ज्यादातर हिस्सा (करीब 78 फीसदी) बड़े पवन और सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट से आ रहा है. लेकिन जुलाई, 2021 तक भारत रूफटॉप सोलर के जरिए सिर्फ 5.1 गीगावॉट ऊर्जा ही उत्पादित कर रहा था. यह निर्धारित लक्ष्य का मात्र 13 फीसदी है. यानी बड़े सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट के मामले में तेजी से आगे बढ़ रहा भारत रूफटॉप सोलर के मामले में पिछड़ रहा है. वह भी ऐसा तब हो रहा है, जब बड़े सौर और पवन ऊर्जा के प्रोजेक्ट कई तरह के प्रतिरोध का सामना कर रहे हैं. इस प्रतिरोध की कई वजहें हैं. पानी और पर्यावास का संकट बड़े सोलर फार्म में पैनल को सुरक्षित रखने के लिए बहुत ज्यादा पानी की जरूरत होती है. भारत के कई इलाकों में पानी की भारी कमी है. जानकार कहते हैं, ऐसे इलाकों में लगे सोलर प्लांट चिंता का सबब हो सकते हैं. इसके अलावा ऐसे प्रोजेक्ट के लिए स्थानीयों का विस्थापन या किसी विशेष भू-भाग पर आर्थिक निर्भरता वाले समूहों पर पड़ने वाला प्रभाव भी चिंता बढ़ाता है. इतना ही नहीं जमीन पर सोलर पैनल लगाने के लिए वहां के पेड़-पौधों या घास को हटाया जाता है, जिससे उस जगह का पर्यावास बदल जाता है. स्थानीय छोटे-बड़े जानवरों और पक्षियों को इससे नुकसान पहुंचता है. इस तरह के खतरे का एक बड़ा उदाहरण ग्रेट इंडियन बस्टर्ड नाम का पक्षी है, जिस पर राजस्थान में लगे रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट्स के चलते खतरा मंडरा रहा है. वेस्टलैंड को खतरा जानकार कहते हैं कि एक डर इन प्रोजेक्ट्स के लिए गलत भू-भाग के चयन का भी है, जैसे वेस्टलैंड. भारत में घास और झाड़ियों के कई पुराने मैदान इसके अंतर्गत हैं. जानकार बताते हैं कि भले ही ये बहुत सामान्य लगें लेकिन ये बहुत से जंगलों से भी पुराने हैं, और पर्यावरण के लिए बहुमूल्य हैं. साल 2019 में आई एक रिपोर्ट में बताया गया कि इन इलाकों से 8400 वर्ग किमी भूभाग को साल 2008-09 से 2015-16 के बीच नॉन-वेस्टलैंड क्लास में डाल दिया गया है. वह भी पर्यावरणविदों के इस दावे के बावजूद कि यहां घास के मैदानों के अलावा भारत के अर्द्ध-शुष्क प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र का भी बहुत बड़ा हिस्सा बसता है. वेस्टलैंड से अलग हुए इन भूभागों पर ग्रीन एनर्जी प्रोजेक्ट लगाए जा रहे हैं. हाल ही इन मैदानों पर स्टडी करने वाले एमडी मधुसूदन और अबी वानक वेस्टलैंड से जुड़े अपने एक रिसर्च पेपर में लिखते हैं, भारत के बड़े स्तर पर रिन्यूएबल एनर्जी तकनीकी के मामले में अंतरराष्ट्रीय नेता बनने की भूमिका ने हाल के सालों में खुले प्राकृतिक पर्यावास को विंडबनापूर्ण तरीके से एक बड़े खतरे में डाला है रूफटॉप सोलर सही विकल्प ऐसे हालात में कई पर्यावरण कार्यकर्ता सुझाते हैं कि भारत को बड़े सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट के बजाए रूफटॉप सोलर पर जोर देना चाहिए. शुरुआत में रूफटॉप सोलर में तेज बढ़ोतरी देखी भी गई थी. साल 2019 में आई इंस्टीट्यूट फॉर एनर्जी इकॉनमिक्स एंड फाइनेंशियल एनालिसिस की एक रिपोर्ट के मुताबिक रूफटॉप सोलर भारत में सबसे ज्यादा तेजी से बढ़ रहा ग्रीन एनर्जी सोर्स था. भारत में यह 2012 से 2019 के बीच सालाना 116 फीसदी की दर से बढ़ा. लेकिन फिर यह सुस्त पड़ गया. बड़े स्तर पर इसके लिए तकनीक उपलब्ध कराने वाली ज्यादातर कंपनियों का मत है कि भले ही रूफटॉप सोलर फिलहाल शुरुआती दौर में है, लेकिन इसमें बड़े बदलावों की संभावना है. तेजी से इनोवेशन के जरिए सोलर पैनल को और प्रभावी बनाया जा सकता है. जिससे लोग इसे तेजी से अपनाएं. ये भी पढ़िए- सौर ऊर्जा के चैंपियन देश कई सारी रुकावटें हालांकि जानकार इसमें कई रुकावटें भी देखते हैं. भारत में बिजली के बारे में कानून बनाने का अधिकार राज्यों को है. राजनीतिक लाभ पाने के लिए राज्य सोलर जैसे किसी बदलाव को जबरदस्ती लागू कराने से हिचकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

सुधार की उम्मीद

जब देश की लोकसभा में करीब 43 प्रतिशत सांसदों के खिलाफ आपराधिक मामले घोषित रूप से दर्ज हों, तब किसी भी पार्टी की ओर से आगे बढ़कर यह कहना स्वागतयोग्य है कि हम किसी माफिया या बाहुबली को चुनाव में नहीं उतारेंगे। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने शुक्रवार को कहा है कि उनकी पार्टी अगले साल होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में बाहुबलियों या माफिया उम्मीदवारों को मैदान में नहीं उतारेगी। मायावती की इस घोषणा को जेल में बंद गैंगस्टर से नेता बने मुख्तार अंसारी और उनके भाई से जोड़कर अगर देखा जा रहा है, तो भी यह घोषणा अपने आप में उम्मीद जगाती है। ऐसे ही एक-एक दागी या अपराधी का टिकट कटना चाहिए। ऐसा नहीं होना चाहिए कि दुनिया को दिखाने के लिए बाहुबलियों का विरोध किया जाए और पिछले दरवाजे से उनको तरजीह मिलती रहे। दरअसल, यही होता आया है, कोई एक पार्टी अगर बाहुबलियों को बाहर का रास्ता दिखाती है, तो वे पहले से भी ज्यादा आक्रामकता के साथ किसी अन्य पार्टी के टिकट पर या किसी पार्टी के सहयोग से चुनाव जीतकर आ जाते हैं। बिहार और उत्तर प्रदेश में ऐसे अनेक दागी हैं, जो दो से तीन दलों को अपनी सेवाएं दे चुके हैं और उनके लिए लगभग हर पार्टी का दरवाजा कमोबेश खुला ही रहता है।

जरूरी है कि बसपा बाहुबलियों को टिकट न देने के अपने प्रयास में कामयाब हो, जिससे दूसरी पार्टियों को भी सबक मिले। हर पार्टी को यह समझना चाहिए कि लोग अपराधी किस्म के उम्मीदवारों को पसंद नहीं करते हैं, लेकिन किसी न किसी मजबूरी या भय की वजह से कहीं-कहीं बाहुबलियों का पलड़ा भारी हो जाता है। इतिहास गवाह है, जब-जब लोगों को मजबूत विकल्प मिला है, तब-तब बाहुबलियों को चुनाव में मुंह की खानी पड़ी है। राजनीतिक पार्टी कोई भी हो, उसे अपने क्रिया-कलाप से यह दर्शाना चाहिए कि वह वाकई अपराध और अपराधियों के खिलाफ है। किसी भी पार्टी में योग्य लोगों की कमी नहीं है, तो फिर क्यों बाहुबलियों को आगे आने दिया जाए? जमाना बदल चुका है। जो बाहुबली है, उसकी खुलेआम चर्चा होती है, लोग पार्टियों के चरित्र को बार-बार परखते हैं और निराश होते हैं। अपने देश में पहले भी कुछ नेताओं से लोगों को उम्मीद रही है कि वे दागियों को टिकट नहीं देंगे, लेकिन हर बार निराशा ही हाथ लगी है। साल 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा की ओर से जीते 39 प्रतिशत सांसद दागी थे, तो कांग्रेस की ओर से जीते 57 प्रतिशत सांसदों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज थे। यह बात छिपी नहीं है कि अपराधियों को रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट या चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों की पालना भी सही ढंग से नहीं हो पाती है। इसका सबसे बड़ा कारण है कि राजनीतिक दलों में अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई और सुधार की इच्छाशक्ति का अभाव है। ऐसे में, बसपा की ओर से यह कहा जाना वाकई काबिलेगौर है कि कानून द्वारा, कानून का शासन सुनिश्चित करने के साथ-साथ, बसपा का संकल्प अब उत्तर प्रदेश की छवि को भी बदलना है। काश, ऐसा हो, तो उत्तर प्रदेश देश में राजनीतिक ताकत ही नहीं, बल्कि राजनीतिक चरित्र सुधार का भी नेतृत्व करता नजर आएगा। लोग भूल जाएंगे कि पहले किस पार्टी ने कितने दागी खड़े किए थे, गलत उम्मीदवारों की छंटनी शुरू तो हो।

रैंकिंग से बाहर हैं जो कॉलेज

हरिवंश चतुर्वेदी

कोरोना के कारण पिछले डेढ़ साल से बंद पड़े उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षा मंत्रालय द्वारा घोषित वर्ष 2021 की रैंकिंग से चर्चा का माहौल गरम हो गया है। 2016 से शुरू हुई इस रैंकिंग में 11 श्रेणियों, यथा विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, इंजीनियरिंग, प्रबंध, विधि, फार्मेसी, चिकित्सा आदि विषयों के श्रेष्ठतम संस्थानों की सूची जारी की गई है। इस बार सिर्फ 4,000 उच्च शिक्षा संस्थानों ने इस रैंकिंग में भाग लिया, यह देश के कुल संस्थानों के दस प्रतिशत से भी कम है।

वर्ष 2021 की रैंकिंग में श्रेष्ठतम विश्वविद्यालयों की सूची में आईआईटी, मद्रास व आईआईएससी, बेंगलुरु प्रथम और द्वितीय स्थान पर रहे। तीन अन्य आईआईटी (मुंबई, दिल्ली और कानपुर) प्रथम पांच संस्थानों की सूची में रखे गए। देश के दो मशहूर विश्वविद्यालयों जेएनयू और बीएचयू को नौवें और दसवें स्थान पर जगह मिल पाई। देश के सर्वश्रेष्ठ कॉलेजों की सूची में दिल्ली के मिरांडा हाउस और लेडी श्रीराम कॉलेज प्रथम व द्वितीय स्थान पर पाए गए हैं। प्रथम 50 श्रेष्ठतम कॉलेजों की सूची में 20 स्थान दिल्ली के कॉलेजों को मिले हैं, जो सूचक है कि देश की राजधानी, भारत की उच्च शिक्षा की भी राजधानी बनती जा रही है। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा वर्ष 2021 की रैंकिंग सूची को जारी करते समय जो वक्तव्य दिया गया, उससे अनुमान लगाया जा रहा है कि अगले कुछ वर्षों में इस रैंकिंग में कुछ विकासशील देशों के संस्थानों को भी सम्मिलित किया जाएगा। निश्चित रूप से एनआईआरएफ को विश्वस्तरीय रैंकिंग बनाने से भारत की बौद्धिक एवं अकादमिक प्रभुता को विश्व स्तर पर स्थापित करने में मदद मिलेगी। ज्ञातव्य है कि शंघाई, चीन की जिओ टोंग यूनिवर्सिटी ने वर्ष 2003 में एकेडेमिक रैंकिंग ऑफ वर्ल्ड यूनिवर्सिटी (एआरडब्ल्यूयू) शुरू की थी, जो आज विश्व की प्रमुख तीन रैंकिंग में शामिल है। एनआईआरएफ द्वारा छठी बार देश के श्रेष्ठतम संस्थानों की सूची जारी की जा चुकी है। कोरोना-काल में दूसरी बार यह संभव हो पाया है। क्या इन सूचियों द्वारा हम अपनी उच्च शिक्षा को विश्व स्तरीय बना पा रहे हैं? क्या इस समूची प्रक्रिया में भारत के 90 प्रतिशत औसत दर्जे के संस्थानों को भी मौका मिल पाएगा? ये शिक्षण संस्थान दिल्ली, मुंबई, मद्रास, बेंगलुरु, कोलकाता और चेन्नई जैसे उच्च शिक्षा के हब से दूर ग्रामीण क्षेत्रों व छोटे शहरों में हैं।

एनआईआरएफ रैंकिंग उच्च शिक्षा के चमकते सितारों की चमक-दमक को और ज्यादा लुभावना बनाने में सफल रही है। एनआईआरएफ की रैंकिंग में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले संस्थानों में कुछ ऐसे संस्थान भी आते हैं, जो निजी हाथों से संचालित हैं। अगर आप गौर से देखें, तो इन सूचियों में राज्य संचालित शिक्षण संस्थान बड़ी संख्या में नहीं मिलेंगे।

साल 2016 में पहली बार शुरू की गई रैंकिंग में राष्ट्रीय स्तर की 11 श्रेणियां बनाई गई थीं। इन श्रेणियों में की गई रैंकिंग से ताकतवर संस्थानों को और ताकतवर बनाने में तो मदद मिल रही है, किंतु वे संस्थान पिछड़ते जा रहे हैं, जो साधन-संपन्न नहीं हैं। भारत जैसे देश में उच्च शिक्षा की एक बड़ी भूमिका पिछड़े क्षेत्रों के युवाओं को बड़े अवसर देने की रही है। क्षेत्रीय स्तर पर ऐसे कई कॉलेज व यूनिवर्सिटियां मिल जाएंगी, जहां से निकले युवाओं ने राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तमाम क्षेत्रों में अपनी धाक जमाई। मिसाल के तौर पर, पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम जिन कॉलेजों में पढ़े, उनका नाम आप इन सूचियों में शायद नहीं खोज पाएंगे। विश्व स्तर पर और देश में भी अनेक नामी कंपनियों में उच्च पदों पर काम कर रहे भारतीयों में अधिकांश वे हैं, जो आईआईटी और आईआईएम में नहीं पढ़े थे। यह एक मिथक है कि प्रतिभा सिर्फ शिखर संस्थानों में ही मिलती है।

देश की उच्च शिक्षा में प्रतिस्पर्द्धा शुरू करने के लिए एनआईआरएफ का विचार उत्तम है, किंतु अब समय आ गया है कि इसकी समावेशी, प्रगतिशील व वस्तुपरक आधारों पर समीक्षा करते हुए इसके तीन संस्करण बनाए जाएं, यथा- वैश्विक, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय। इन तीन प्रकार की श्रेणियों में इस बात पर ध्यान रखा जाए कि आजादी के बाद के सात दशकों में देश में जो कुछ आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक विकास हुआ है, उसमें अनेक प्रकार की असमानताएं मिल जाएंगी। इन तीन प्रकार की रैंकिंग में भाग लेने के फैसले को उच्च शिक्षा संस्थानों पर छोड़ दिया जाना चाहिए।

एनआईआरएफ में शामिल देश के सर्वश्रेष्ठ 100 संस्थानों में बमुश्किल पांच प्रतिशत विद्यार्थियों को प्रवेश मिल पाता है। मिसाल के तौर पर, दिल्ली विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध कॉलेजों में हर साल एक लाख विद्यार्थियों को ही दाखिला मिल पाता है। दिल्ली-एनसीआर में करीब तीन करोड़ की आबादी की उच्च शिक्षा विषयक जरूरतों को पूरा करने के लिए सैकड़ों संस्थान हैं, जिनके नाम इन रैंकिंग में नहीं पाए जाते हैं। उच्च शिक्षा पा रहे चार करोड़ विद्यार्थी ये जानना चाहेंगे कि यदि वे अपने जनपद, राज्य या क्षेत्र में ही पढ़ना चाहते हैं, तो उनके लिए सर्वश्रेष्ठ विकल्प क्या हैं? एनआईआरएफ की रैंकिंग तीन स्तर पर घोषित करने विकल्प खोजने में मदद मिलेगी।

एनआईआरएफ की पिछले छह वर्षों की रैंकिंग से साफ जाहिर होता है कि इसका आईआईटी और केंद्र सरकार द्वारा संचालित संस्थानों की तरफ ज्यादा झुकाव है। इसका एक प्रमुख कारण है रिसर्च को अत्यधिक महत्व दिया जाना। जिन विद्वानों या नीति-निर्धारकों ने एनआईआरएफ की रचना की, वे पश्चिमी देशों के रिसर्च प्रधान संस्थानों से जरूर प्रभावित रहे होंगे। भारत में रिसर्च या शोध शिक्षण संस्थानों की जरूरत है, किंतु ऐसे संस्थान 10 प्रतिशत से ज्यादा नहीं होंगे। हमारे देश के 90 प्रतिशत कॉलेज और विश्वविद्यालय शिक्षण प्रधान हैं या वे रोजगारपरक शिक्षा देते हैं। इन संस्थानों के शिक्षकों और विद्यार्थियों से शोधकार्य करने एवं शोध पत्र प्रकाशित करने की अपेक्षा करना फिलहाल तो मृग-मरीचिका ही होगी। हमें शिक्षा मंत्रालय से आशा करनी चाहिए कि कोविड काल की जमीनी सच्चाइयों को ध्यान में रखते हुए और एनआईआरएफ की भावी संरचना और श्रेणियों पर एक राष्ट्रीय सहमति बनाते हुए इसका एक नया रूप बनाया जाए, जो अगले दशकों में हमारे देश की चुनौतियों और संभावनाओं के अनुरूप हो।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

> हमें शिक्षा मंत्रालय से आशा करनी चाहिए कि कोविड काल की जमीनी सच्चाइयों को ध्यान में रखते हुए और एनआईआरएफ की भावी संरचना और श्रेणियों पर एक राष्ट्रीय सहमति बनाते हुए इसका एक नया रूप बनाया जाए, जो अगले दशकों में हमारे देश की चुनौतियों और संभावनाओं के अनुरूप हो।

टीम इंडिया के मेंटोर धोनी

संयुक्त अरब अमीरात और ओमान में 17 अक्टूबर से 14 नवम्बर तक होने वाले टी-20 विश्व कप में भाग लेने वाले भारतीय दल में पेस के बजाय स्पिन गेंदबाजी पर जोर दिया गया है। हालांकि पिछले साल संयुक्त अरब अमीरात में खेली गई आईपीएल में पहले चार स्थानों पर पेस गेंदबाज ही रहे थे। इस दल में जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और भुवनेश्वर कुमार के रूप में सिर्फ तीन पेस गेंदबाजों का चुनना थोड़ा हैरत वाला लगता है। यह जरूर है कि टीम में शामिल हार्दिक पांड्या भी पेस गेंदबाजी कर सकते हैं। इस टीम में पांच स्पिनरों को शामिल किया गया है। पर इन स्पिनरों में देश के टी-20 प्रारूप के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज यजुवेंद्र चहल को नहीं चुना जाना थोड़ा चौंकाता है। चहल पिछले आईपीएल सत्र में स्पिनरों में सबसे ज्यादा 21 विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। यह जरूर है कि रविचंद्रन अश्विन की टीम में वापसी से आक्रमण में जान आई है। इसमें कोई दो राय नहीं कि अश्विन आज भी देश के सर्वश्रेष्ठ स्पिनर हैं और उनकी जैसी गेंदबाजी में विभिन्नता अन्य किसी के पास नहीं है। ऐसा लगता है कि भारत इस विश्व कप में रहस्यमयी गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती का फायदा उठाना चाहता है। इससे लगता है कि अश्विन और रविंद्र जड़ेजा के साथ वरुळण को खिलाने की योजना होने की वजह से ही शायद चहल की जगह नहीं बनने पर उन्हें टीम में शामिल नहीं किया गया हो। पर यह सच है कि बुमराह और अश्विन का गेंदबाजी कमाल ही भारत को चैंपियन बनाने में मददगार बन सकता है। जहां तक बल्लेबाजी की बात है तो रोहित शर्मा, केएल राहुल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत और पांड्या की मौजूदगी से टीम की बल्लेबाजी बहुत ही मजबूत है। बल्लेबाजी में श्रेयष अय्यर शायद चोट की समस्या के बाद अपनी फिटनेस साबित नहीं कर पाने की वजह से सुरक्षित खिलाड़ियों में ही रह गए हैं। टीम में पंत के साथ राहुल के रूप में दो विकेटकीपर होने की वजह से ईशान किशन की कोई अहमियत नहीं रह जाती है। इस दल की सबसे बड़ी खूबी है कि उसे एमएस धोनी के रूप में मेंटोर का मिलना है। धोनी की मौजूदगी भर टीम में जान फूंक सकती है क्योंकि वह रणनीति बनाने में मास्टर हैं, इस कारण उनकी विराट के साथ जुगलबंदी भारत को 2007 के बाद फिर चैंपियन बना सकती है। हालांकि उनके खिलाफ हितों के टकराव की शिकायत की गई है और बीसीसीआई इस मामले पर सलाह कर रहा है।

कटाक्ष/ कबीरदास

महादेव के संग अल्लाह!

आखिर, ये किसान कर क्या रहे हैं! पहले, मोदी जी के बनाए कानून मानने से मना कर दिया। उल्टे कानून वापस करो-वापस करो की जिद पकड़कर दिल्ली के बार्डरों पर जमकर बैठ गए। अडानी जी-अंबानी जी की हाय-हाय करने लगे हो ऊपर से। पर वहां तक समझ में आता था। पेट का सवाल था। फिर यहां-वहां मोदी जी की पार्टी के मंत्रियों, नेताओं का रास्ता रोकने लगे। वहां तक भी ठीक था। फिर मोदी जी की पार्टी को चुनावों में हराने को निकल पड़े। चलो यह भी सही। डेमोक्रेसी की अलामत भी सही। पर अब तो ये हमारा धर्मभ्रष्ट करने पर आ गए।

महादेव के संग अल्लाह का नाम! अल्लाह के जूठे मुंह से देवाधिदेव का नाम। महादेव का यह अपमान, नहीं सहेगा भारत महान! जिस देश में मथुरा के वीरों ने मलेच्छों के हाथों अपवित्र होने से अपने श्रीनाथ जी को बचा लिया और श्रीनाथ दोसा कॉर्नर का नाम, अमरीका करा दियाग उसी देश में किसी किसान-विसान को महादेव का नाम अपवित्र करने की इजाजत कैसे दी जा सकती है? अब कोई हमें यह सिखाने की कोशिश नहीं करे कि आगे-पीछे अल्लाह का नाम लेने से, महादेव का नाम अपवित्र नहीं होता है। होता है, होता हैग उसी मुंह से अल्लाह का नाम लेने से, महादेव का नाम अपवित्र होता है। बात सिंपल है। जिस मुंह से अल्लाह का नाम लियाग वह अशुद्ध हो गया। इतना ज्यादा अशुद्ध कि गंगाजल से कुल्ला करने से भी दोबारा शुद्ध नहीं हो सकता। छीः ऐसे अशुद्ध मुंह से महादेव का नाम! कहां हैं अयोध्या में रामलला का उद्धार करने वाले वीर! कहां हैं मथुरा में श्रीनाथ जी के नाम की पवित्रता की रक्षा करने वाले वीर! क्या महादेव के मान की रक्षा सिर्फ काशी वालों पर है? पीएम का चुनाव क्षेत्र हुआ तो क्या हुआ क्या सब कुछ पीएम जी ही करेंगे? महादेव विश्व के समस्त हिंदुओं का अभिमान हैं। मजदूर करें या करें किसानग महादेव का ये अपमान, अब नहीं सहेगा हिंदुस्तान! और अंगरेज तो चले गएग अब भाई ये हिंदू-मुस्लिम-सिख-ईसाई, आपस में नहीं लड़ेंगेग क्यों? आपस में नहीं लड़ेंगे तो किस से लड़ेंगे-सरकार से! हम यह होने नहीं देंगे, महादेव के साथ अल्लाह बोला तो सीधे अफगानिस्तान भेज देंगे!

कब खुलेगा किसान की खुशहाली का रास्ता

प्रमोद भार्गव

केंद्र सरकार ने किसानों के हित में कुछ अनाजों पर एक बार फिर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ा दिया है। सबसे ज्यादा 400 रुपये प्रति क्विंटल मसूर और सरसों पर बढ़ाया गया है। गेहूं पर 40, सूरजमुखी पर 114 और चने पर 130 रुपये बढ़ाये गए हैं। सरकार ने यह फैसला ऐसे समय पर लिया है, जब किसानों ने तीनों कृषि कानूनों को रद्द करने की मांग बुलंद कर दी है। हरियाणा और पंजाब के किसानों को ये बढ़ी दरें रास नहीं आ रही हैं। हालांकि केंद्र सरकार ने अन्य राज्यों में एमएसपी के औजार से आंदोलन के विस्तार पर अंकुश जरूर लगा दिया है।

कोरोना संकट ने आर्थिक उदारीकरण अर्थात? पूंजीवादी अर्थव्यवस्था की पोल खोल दी है और देश आर्थिक व भोजन के संकट से मुक्त है तो उसमें केवल खेती-किसानी का सबसे बड़ा योगदान है। भारत सरकार ने इस स्थिति को समझ लिया है कि बड़े उद्योगों से जुड़े व्यवसाय और व्यापार जबरदस्त मंदी के दौर से गुजर रहे हैं। वहीं किसान ने 2019-20 में रिकॉर्ड 29.19 करोड़ टन अनाज पैदा करके देश की ग्रामीण और शहरी अर्थव्यवस्था को तो तरल बनाए रखा है, साथ ही पूरी आबादी का पेट भरने का इंतजाम भी किया है। 2019-2020 में अनाज का उत्पादन आबादी की जरूरत से 7 करोड़ टन ज्यादा हुआ था। 2020-2021 में भी 350 मिलियन टन अनाज पैदा करके किसान ने देश की अर्थव्यवस्था में ठोस योगदान दिया है।

भारतीय अर्थव्यवस्था के परिप्रेक्ष्य में अमर्त्य सेन और अभिजीत बनर्जी सहित थॉमस पिकेटी दावा करते रहे हैं कि कोरोना से ठप हुए ग्रामीण भारत पर जबरदस्त अर्थ-संकट गहराएगा। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण 2017-18 के निष्कर्ष ने भी कहा था कि 2012 से 2018 के बीच एक ग्रामीण का खर्च 1430 रुपये से घटकर 1304 रुपये हो गया है। जबकि इसी समय में एक शहरी का खर्च 2630 रुपये से बढ़कर 3155 रुपये हुआ है। अर्थशास्त्र के सामान्य सिद्धांत में यही परिभाषित है कि किसी भी प्राकृतिक आपदा में गरीब आदमी को ही सबसे ज्यादा संकट झेलना होता है। लेकिन इस कोरोना संकट में पहली बार देखने में आया है कि पूंजीवादी अर्थव्यवस्था के पैरोकार रहे बड़े और मध्यम उद्योगों में काम करने वाले कर्मचारी भी न केवल आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं, बल्कि उनके समक्ष रोजगार का संकट भी पैदा हुआ है। लेकिन बीते दो कोरोना कालों में खेती-किसानी से जुड़ी उपलब्धियों का मूल्यांकन करें तो पता चलता है कि देश को कोरोना संकट से केवल किसान और पशुपालकों ने ही उबारे रखने का काम किया है।

यही नहीं, जो प्रवासी मजदूर ग्रामों की ओर लौटे, उनके लिए मुफ्त भोजन की व्यवस्था का काम भी गांव-गांव किसानों व ग्रामीणों ने ही किया। इस दौरान यदि सरकारी महकमों चिकित्सा, पुलिस, बैंक और राजस्व को छोड़ दिया जाए तो 70 फीसदी सरकारी कर्मचारी न केवल घरों में बंद रहे, बल्कि मजदूरों के प्रति उनका सेवाभाव भी देखने में नहीं आया। यदि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री राहत कोषों का आकलन करें तो पाएंगे कि इनका आर्थिक योगदान ऊंट के मुंह में जीरे के बराबर रहा है।

कोरोना ने अब हालात को पलट दिया है। इसलिए खेती-किसानी से जुड़े लोगों की गांव में रहते हुए ही आजीविका कैसे चले, इसके पुख्ता इंतजाम करने की जरूरत है। नरेंद्र मोदी सरकार ने अपने पहले कार्यकाल में न्यूनतम समर्थन मूल्य में भारी वृद्धि की थी। इसी क्रम में 'प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण नीति' लाई गई थी। तब इस योजना को अमल में लाने के लिए अंतरिम बजट में 75,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था। इसके दायरे में 14.5 करोड़ किसानों को लाभ मिल रहा है। निःसंदेह गांव और कृषि क्षेत्र से जुड़ी जिन योजनाओं की श्रृंखला को जमीन पर उतारने के लिए 14.3 लाख करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है, उसका उपयोग अब सार्थक रूप में होता है तो किसान की आय सही मायनो में 2022 तक दोगुनी हो पाएगी। इस हेतु अभी फसलों का उत्पादन बढ़ाने, कृषि की लागत कम करने, खाद्य प्रसंस्करण और कृषि आधारित वस्तुओं का निर्यात बढ़ाने की भी जरूरत है।

केंद्र सरकार फिलहाल एमएसपी तय करने के तरीके में 'ए-2' फॉर्मूला अपनाती है। यानी फसल उपजाने की लागत में केवल बीज, खाद, सिंचाई और परिवार के श्रम का मूल्य जोड़ा जाता है। इसके अनुसार जो लागत बैठती है, उसमें 50 फीसदी धनराशि जोड़कर समर्थन मूल्य तय कर दिया जाता है। जबकि स्वामीनाथन आयोग की सिफारिश है कि इस उत्पादन लागत में कृषि भूमि का किराया भी जोड़ा जाए। इसके बाद सरकार द्वारा दी जाने वाली 50 प्रतिशत धनराशि जोड़कर समर्थन मूल्य सुनिश्चित किया जाना चाहिए। फसल का अंतर्राष्ट्रीय भाव तय करने का मानक भी यही है। यदि भविष्य में ये मानक तय कर दिए जाते हैं तो किसान की खुशहाली बढ़ने का रास्ता खुल जाएगा। यह उपाय कृषि कानून विरोधी आन्दोलनों को समाप्त करने की दिशा में भी एक सार्थक पहल हो सकती है।

मैरिटल रेप

समाज में जागरूकता जरूरी

डॉ. दर्शनी प्रिय

हाल ही में केरल उच्च न्यायालय ने एक विशेष मामले में फैसला सुनाते हुए पति पत्नी के बीच के अनैच्छिक दैहिक संबंधों को गैरवाजिब मानते हुए इसे स्त्री अधिकारों के विरुद्ध करार दिया है। हालांकि वैवाहिक रेप का मसला खासा पुराना है। गाहे-बगाहे इस पर सवाल भी उठते रहे है, लेकिन किसी सख्त और विशेष कानून के अभाव में ऐसे मामले ठंडे बस्ते में डाल दिए जाते हैं। अदालत ने अपने इस फैसले के साथ ही हिन्दू विवाह अधिनियम और भारतीय दंड संहिता पर एक बार फिर नये सिरे से पुनतवचार की मुहर लगा दी है।

पत्नी के इच्छा के विरुद्ध जबरन दैहिक संबंध बनाने संबंधी मामले का सुतखयों मे आना इस बात की गवाही देता है कि महिलाएं आज भी इस अमानवीय अत्याचार के दायरे से बाहर आने को छटपटा रही है। दरअसलग वैवाहिक संबंधों के भीतर पत्नी के साथ जबरन यौन संबंध स्थापित करना मैरिटल रेप की श्रेणी में आता है। अवैध ठहराते हुए इसे स्त्रीत्व के विरुद्ध माना गया है। कानून इसे वैधता नहीं मानता। दरअसलग ऐसी कोई भी यौन लिप्सा वहशियत या सेक्स संबंधी भूख की पराकाष्ठा ही है।

यौन प्रताड़नाग शारीरिक शोषण या दैहिक अत्याचार की श्रेणी में आने वाले ऐसे कृत्य कुंठित या मनोविकारी व्यक्तियों द्वारा ही अंजाम दिए जाते है जिसे मानिसक रुग्णता कहा जा सकता है। मौजूदा कानून के अनुसार आईपीसी में रेप की परिभाषा तो तय की गई हैग लेकिन उसमें मैरिटल रेप या वैवाहिक बलात्कार के बारे में कोई जिक्र नहीं है। आईपीसी की धारा 376 रेप के लिए सजा का प्रावधान करती है। आईपीसी की इस धारा में पत्नी से रेप करने वाले पति के लिए सजा का प्रावधान है, बशर्ते पत्नी 12 साल से कम उम्र की हो। यानी धारा 375 और 376 के प्रावधानों के अनुसार संबंध बनाने के लिए सहमति देने की उम्र 16 वर्ष है, लेकिन 12 साल से बड़ी उम्र की पत्नी की सहमति या असहमति का रेप से कोई लेना देना नहीं है। वहींग घर के अंदर महिलाओं के यौन शोषण के लिए 2005 में घरेलू हिंसा कानून लाया गया था। यह कानून महिलाओं को घर में यौन शोषण से संरक्षण देता है। इसमें घर के भीतर यौन शोषण को परिभाषित किया गया है। वहीं कोई व्यक्ति अगर किसी महिला के साथ उसकी इच्छा के विरुद्ध या उसकी मर्जी के बिना संबंध बनाता हैग तो वह रेप कहा जाएगा। महिला की सहमति से संबंध बनाया गया हो, लेकिन यह सहमति उसकी हत्या, उसे नुकसान पहुंचाने या फिर उसके किसी करीबी के साथ ऐसा करने का डर दिखाकर हासिल की गई हो, तो यह भी रेप होगा। महिला को शादी का झांसा देकर संबंध बनाया गया होग तो वह रेप होगा। महिला की मर्जी से संबंध बनाया गया होग लेकिन सहमति देते वक्त महिला की मानसिक स्थिति ठीक नहीं हो या फिर वह नशे में हो और उस सहमति के नतीजों को समझने की स्थिति में न हो, तो रेप होगा। इसके अलावा महिला की उम्र अगर 16 साल से कम हो, तो उसकी मर्जी से या उसकी सहमति के बिना बनाया गया संबंध रेप है। हालांकि पत्नी अगर 15 साल से कम की होग तो पति का उसके साथ संबंध बनाना रेप नहीं है। उपरोक्त के आलोक मे देखें तो देश की करीब 70 प्रतिशत स्त्री आबादी हर दिन इस तय परिभाषा के भीतर बलात्कार का शिकार होती है। हैरानी ही है कि नई सदी के मुहाने पर खड़ा यह देश आज भी स्त्रियों को लेकर आदिम मानसिकता से जकड़ा है।

समानता, समावेशन और स्वावलम्बन की पैरोकारी करने वाला समाज स्त्रीतत्व मर्दन को अपना सर्वसम्मत अधिकार समझने से गुरेज नहीं करता। इस स्वघोषित अंतःप्रेरणा का उपसंहार होना ही चाहिए। हालांकि संविधान ने स्त्रियों को इस आततायी भाव बोध से बाहर निकलने के उपाय तो बताए हैं पर उसे ज्यादा मजबूती, सुस्पष्टता और पारदतशता के साथ बांधा नहीं है। ज्यादातर औरतें लोक लज्जा और समाजिक पारिवारिक आलोचना के भय के चलते बाहर नहीं आ पाती। कइयों को तो ये तक मालूम नहीं कि ऐसे कृत्य अपराध की श्रेणी में आते हैं और इसके विरुद्ध कारवाई का प्रावधान भी है। सूचना, संबल और सचेष्टता के अभाव में अक्सर महिलाएं इस संत्रास को झेलती रहती है। पति पत्नी का संबंध परस्पर सम्मान, और स्वाभिमान का सूचक है। पुरुषों को ये समझना होगा कि हां या ना करने का मामला स्त्रियों के स्वविवेक का मामला है। इसमें कोई दबाब नहीं चलेगा। आखिर वे ना का मतलब ना कब समझेंगे? महिलाएं भी पीड़ित या शोषित होने की बजाय कानून का सहारा ले और अपनी चुप्पी तोड़ें। आखिर ये उनके स्वाधिकार का मामला है फिर जड़ता कैसी?

देनदारों द्वारा शुरू की गई दिवाला प्रक्रिया समय के साथ हुई कम

नई दिल्ली। इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड (आईबीसी) की स्थापना के बाद के वर्षों में कॉरपोरेट देनदारों द्वारा शुरू की गई कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रियाओं (सीआईआरपी) की हिस्सेदारी में गिरावट आई है। इनसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी बोर्ड ऑफ इंडिया (आईबीबीआई) के डेटा से पता चला है कि मार्च 2017 तक, कुल क्रिप में से सात ऑपरेशनल लेनदारों द्वारा, आठ वित्तीय लेनदारों द्वारा और 22 कॉर्पोरेट देनदारों द्वारा ट्रिगर किया गया था। मार्च 2021 तक, 2,250 सीआईआरपी परिचालन लेनदारों द्वारा शुरू किए गए थे, 1,887 वित्तीय लेनदारों द्वारा शुरू किए गए थे और कॉर्पोरेट देनदारों ने 277 सीआईआरपी को ट्रिगर किया था। इसके अलावा जून 2021 में, परिचालन लेनदारों द्वारा शुरू की गई समाधान प्रक्रिया बढ़कर 2,313 हो गई, जो वित्तीय लेनदारों द्वारा 1,942 थी और कॉर्पोरेट देनदारों ने 285 क्रिप्स को ट्रिगर किया था। आईबीबीआई के आंकड़ों से पता चलता है कि परिचालन लेनदारों ने 50.93 प्रतिशत सीआईआरपी को ट्रिगर किया, इसके बाद वित्तीय लेनदारों द्वारा लगभग 42.77 प्रतिशत और कॉर्पोरेट देनदारों द्वारा शेष है। हालांकि, लगभग 80 प्रतिशत सीआईआरपी, जिनकी अंतर्निहित डिफॉल्ट 1 करोड़ रुपये से कम है,परिचालन लेनदारों द्वारा आवेदनों पर शुरू किया गया था, जबकि लगभग 80 प्रतिशत सीआईआरपी, जिनकी अंतर्निहित डिफॉल्ट 10 करोड़ रुपये से अधिक थी, जो वित्तीय द्वारा शुरू किए गया था। अप्रैल-जून 2021 के लिए आईबीबीआई के न्यूजलेटर में कहा गया है, सीडी (कॉर्पोरेट देनदार) द्वारा सीआईआरपी के शेयरों में समय के साथ गिरावट आ रही है। उन्होंने आमतौर पर बहुत अधिक अंतर्निहित चूक के साथ सीआईआरपी की शुरूआत की। आईबीबीआई ने आगे कहा कि करीब 47 फीसदी सीआईआरपी, जो बंद हो गए थे, ने परिसमापन के लिए आदेश दिया, जबकि 14 फीसदी एक समाधान योजना के साथ समाप्त हुआ। इनमें से अधिकांश कॉर्पोरेट देनदारों का आर्थिक मूल्य सीआईआरपी में भर्ती होने से पहले ही लगभग पूरी तरह से समाप्त हो गया था। इन कॉरपोरेट देनदारों के पास औसतन बकाया ऋण राशि का लगभग 7 प्रतिशत मूल्य की संपत्ति थी।

वीमियो और डॉल्बी एप्पल यूजर्स के लिए बेहतरीन वीडियो अनुभाव करेगा पेश

सैन फ्रांसिस्को। वीडियो सॉफ्टवेयर वीमियो ने डॉल्बी के साथ बाजार में पहली बार लॉन्च करने की घोषणा की है, ताकि एप्पल डिवाइज में डॉल्बी विजन में बनाए गए वीडियो की मेजबानी, साझाकरण और प्लेबैक को सक्षम बनाया जा सके। कंपनी ने कहा, एप्पल डिवाइस यूजर्स अब वीमियो का उपयोग उसी प्रोफेशनल-क्वालिटी वाला वीडियो तकनीक को अनलॉक कर सकते हैं, जिसे दुनिया के शीर्ष कहानीकारों ने अपनाया था। वीमियो की सीईओ अंजलि सूद ने एक बयान में कहा, वीमियो का मिशन सभी के लिए प्रोफेशनल-क्वालिटी वाले वीडियो को सक्षम करना है, और आज हम वैश्विक स्तर पर करोड़ों ऐप्पल यूजर्स को डॉल्बी विजन में वह शक्ति प्रदान कर रहे हैं। वीमियो के साथ, डॉल्बी विजन में एप्पल डिवाइस के साथ रिकॉर्ड किए गए वीडियो को अब निमार्ता द्वारा इच्छित सटीक चित्र गुणवत्ता में साझा और देखा जा सकता है। डॉल्बी विजन में बनाए गए वीडियो अविश्वसनीय चमक, कंट्रास्ट, रंग और विवरण से भरी एक समृद्ध तस्वीर प्रदान करता है। यूजर्स अब मूल रूप से आईफोन 12 मॉडल पर शूट किए गए डॉल्बी विजन वीडियो अपलोड कर सकते हैं। या आईमूवी या फाइनल कट प्रो में संपादित कर सकते हैं। वीमियो स्वचालित रूप से सभी संगत एप्पल डिवाइज पर डॉल्बी विजन में वीडियो का पता लगाएगा और प्लेबैक करेगा, जिसमें आईफोन 8 और बाद में, दूसरी पीढ़ी का आईपैट प्रो और बाद में आईओएस 14 पर, एप्पल टीवी 4के एक डॉल्बी विजन से जुड़ा है।

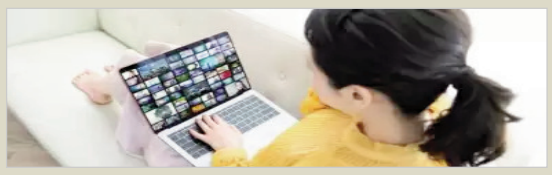

नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा देश का विदेशी मुद्रा भंडार

बिजनेस डेस्क:

पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार एक स्वस्थ अर्थव्यवस्था के लिए काफी महत्वपूर्ण होता है। यह आयात को समर्थन देने के लिए आर्थिक संकट की स्थिति में अर्थव्यवस्था को बहुत आवश्यक मदद उपलब्ध कराता है। तीन सितंबर 2021 को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 8.895 अरब डॉलर बढ़कर 642.453 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, इससे पहले 27 अगस्त 2021 को समाप्त सप्ताह में इसमें 16.663 अरब डॉलर की तेजी आई थी और यह 633.558 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया था। विदेशी मुद्रा भंडार में यह वृद्धि विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) होल्डिंग में वृद्धि से हुई है। आलोच्य सप्ताह में भारत की एसडीआर हिस्सेदारी 2.9 करोड़ डॉलर से बढ़कर 19.437 अरब डॉलर पर पहुंच गई। मालूम हो कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) अपने सदस्यों को बहुपक्षीय ऋण देने वाली एजेंसी में उनके मौजूदा कोटा के अनुपात में सामान्य एसडीआर का आवंटन करता है। विदेशी मुद्रा संपत्तियों (एफसीए) 8.213 अरब डॉलर बढ़कर 579.813 अरब डॉलर रह गया। विदेशी मुद्रा संपत्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखी यूरो, पाउंड और येन जैसी दूसरी विदेशी मुद्राओं के मूल्य में वृद्धि या कमी का प्रभाव भी शामिल होता है।

स्वर्ण भंडार में भी बढ़त

इस दौरान देश का स्वर्ण भंडार 64.2 करोड़ डॉलर बढ़ा और 38.083 अरब डॉलर पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष

(आईएमएफ) के पास मौजूद देश का आरक्षित भंडार 1.1 करोड़ डॉलर बढ़कर 5.121 अरब डॉलर रह गया।

जानें क्या है विदेशी मुद्रा भंडार

विदेशी मुद्रा भंडार का उपयोग जरूरत पड़ने पर देनदारियों का भुगतान करने में किया जाता है। इसमें आईएमएफ में विदेशी मुद्रा असेट्स, स्वर्ण भंडार और अन्य रिजर्व शामिल होते हैं, जिनमें से विदेशी मुद्रा असेट्स सोने के बाद सबसे बड़ा हिस्सा रखते हैं।

विनिवेश से पहले एयर इंडिया की पूंजीगत संपदा विशेष कंपनी को हस्तातंरित

नई दिल्ली: सरकार ने आर्थिक तौर पर बदहाल हो चुकी सरकारी विमानन कंपनी एयर इंडिया के विनिवेश को गति देने के उद्देश्य से उसकी पूंजीगत संपदाओं को एक विशेष कंपनी एयर इंडिया होल्डिंग्स कंपनी लिमिटेड में हस्तातंरित करने को अधिसूचित कर दिया है। इस विशेष कंपनी को एयर इंडिया की चार सहायक इकाइयों, गैर कोर संपदाओं, पेंटिंग और विमाननों के साथ ही अन्य गैर परिचालित संपदा शामिल है। एयर इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सरकार ने अब इस एयरलाइन की पूरी संपदा एक कंपनी को सौंप दी है और यदि इसका विनिवेश नहीं होगा तो इसके पास कुछ भी नहीं बचेगा। केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने इस संबंध में जारी अधिसूचना में कहा है कि यह अधिसूचना एक अप्रैल 2022 से प्रभावी होगी। एयर इंडिया के विनिवेश के लिए वित्तीय बोली आमंत्रित की गई है जिसकी अंतिम तिथि 15 सितंबर 2021 है। टाटा समूह इसके संभावित ग्राहकों सबसे प्रमुख है।

गूगल क्रोम में जुड़ने वाला है डार्क मोड थीम, डेस्कटॉप यूजर्स भी ले सकेंगे एक्सपेरिएंस

सैन फ्रांसिस्को। गूगल डेस्कटॉप पर सर्च करने के लिए डार्क मोड थीम फीचर को जोड़ने वाला है, जिससे यूजर्स ब्राइट वेबपेजों को अवॉयड कर सकते हैं। यूजर्स सेटिंग्स खोल सकते हैं और मेनू के अंत में उपस्थिति देखेंगे। यह यूजर्स को चयन करने की क्षमता के साथ सर्च सेटिंग्स, उपस्थिति - डिवाइस डिफॉल्ट, डार्क थीम और लाइट थीम पर ले जाएगा। 9टू5गूगल की रिपोर्ट के अनुसार, जहां भी यूजर्स ने अपने गूगल अकाउंट से डेस्कटॉप पर साइन इन किया है, वहां यह डार्क मोड थीम दिखाई देगी। रिपोर्ट के अनुसार, यूजर्स को सर्च परिणामों में एक बैनर भी मिल सकता है, जबकि कुछ ने त्वरित रूप से सक्षम और अक्षम करने के लिए शीर्ष-दाएं कोने में एक सन आइकन देखा है। गूगल ने इस सुविधा के लिए यूजर्स के अनुरोधों को स्वीकार किया और कहा कि आने वाले हफ्तों में सर्च डार्क थीम पूरी तरह से उपलब्ध होगा। गूगल का यह फीचर मोबाइल के लिए भी परीक्षण किया जा रहा है ।

धोनी समेत आम्रपाली के 1,800 से अधिक घर खरीदारों को 15 दिन के भीतर चुकाना है बकाया राशि

बिजनेस डेस्क:

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी आम्रपाली समूह की नोएडा स्थित आवास परियोजनाओं के 1,800 से अधिक उन घर खरीदारों में शामिल हैं, जिनसे उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त रिसीवर ने 15 दिन के भीतर अपना बकाया चुकाने के लिए कहा है। यदि फ्लैट खरीदार रिसीवर द्वारा बनाई गई ग्राहकों की सूची में अपना नाम दर्ज कराने में विफल रहते हैं और गुरुवार को जारी सार्वजनिक नोटिस से 15 दिन के भीतर भुगतान शुरू नहीं करते हैं, तो उनके द्वारा बुक किए गए फ्लैटों का आवंटन अपने आप रद्द हो जाएगा। इस बारे में टिप्पणी के लिए धोनी से तत्काल संपर्क नहीं हो सका। धोनी ने अप्रैल 2016 में आम्रपाली के ब्रांड एंबेसडर के रूप में इस्तीफा दे दिया था। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में रुकी हुई परियोजनाओं को पूरा करने के लिए गठित आम्रपाली अवरुद्ध परियोजनाएं निवेश पुनर्गठन प्रतिष्ठान (एस्पायर) ने एक प्रमुख समाचार पत्र में विज्ञापन के जरिए नोटिस प्रकाशित किया है। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एनबीसीसी को अदालत द्वारा नियुक्त समिति की निगरानी में 8,000 करोड़ रुपए से अधिक के

अनुमानित निवेश के साथ 20 से अधिक आवासीय परियोजनाओं का निर्माण पूरा करने के लिए कहा गया है। उच्चतम न्यायालय ने आम्रपाली आवासीय परियोजनाओं के अधिग्रहण के बाद सभी घर खरीदारों को अपना विवरण दर्ज कराने और शेष राशि का भुगतान करने के लिए कहा था। ताजा विज्ञापन में उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त रिसीवर ने कहा कि नोटिस उन घर खरीदारों के लिए है, जिन्होंने जुलाई 2019 में शीर्ष अदालत के फैसले के बाद कोई कदम नहीं उठाया। नोटिस के अनुसार धोनी ने सेक्टर 45 नोएडा में सैफायर फेज-1 में दो फ्लैट- सी-पी5 और सी-पी6 बुक किए हैं, जबकि धोनी का प्रतिनिधित्व करने वाले रीति स्पोर्ट्स मैनेजमेंट के चेयरमैन अरुण पाण्डेय ने इसी परियोजना में सी-पी4 फ्लैट बुक कराया है। इस बारे में पाण्डेय से भी बात करने की कोशिश की गई लेकिन उन्हें भेजे गए संदेश का कोई जवाब नहीं आया। उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त रिसीवर ने नोएडा की आवासीय परियोजनाओं के घर खरीदारों के लिए नोटिस जारी किया है और अब एक अलग नोटिस ग्रेटर नोएडा की परियोजनाओं के लिए भी प्रकाशित किया जाएगा।

वोडाफोन आइडिया पर लगा लाखों रुपए का जुर्माना, डुप्लीकेट सिम जारी करने का मामला

बिजनेस डेस्क:

भारी कर्ज में डूबी टेलीकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। राजस्थान में आईटी (इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी) डिपार्टमेंट ने वोडाफोन आइडिया को एक मामले में अपने एक ग्राहक को 27.5 लाख रुपए जुर्माना देने के लिए कहा है। इसमें 2.31 लाख रुपए का ब्याज शामिल है। अगर कंपनी एक महीने के भीतर भुगतान नहीं करती है तो उस पर 10 फीसदी ब्याज लगाया जाएगा। यह मामला डुप्लीकेट सिम से जुड़ा हुआ है। टाइम्स ऑफ इंडिया के अनुसार कंपनी ने बिना ग्राहक की पहचान के एक डुप्लीकेट सिम जारी किया। इस सिम का इस्तेमाल करते हुए ठग ने पीड़ित के खाते से 68.5 लाख रुपए उड़ा लिए। कंपनी ने भानु प्रताप नाम के व्यक्ति को डुप्लिकेट सिम जारी किया जो किसी और व्यक्ति का था। उसने कस्टमर के आईडीबीआई बैंक से 68.5 लाख रुपए अपने अकाउंट्स में ट्रांसफर कर दिए। बाद में उसने 44 लाख रुपए पीड़ित को लौटा दिए लेकिन उसे बाकी राशि नहीं मिली।

क्या है मामला

कृष्ण लाल नैन के वोडाफोन आइडिया मोबाइल नंबर ने 25 मई, 2017 को काम करना बंद कर दिया था। वह हनुमानगढ़ में कंपनी के स्टोर में गए और वहां इस बारे में शिकायत की। उन्हें नया नंबर तो मिल गया लेकिन कई बार शिकायत करने के बाद भी यह एक्टिवेट नहीं हुआ। फिर वह जयपुर में कंपनी के एक स्टोर में गए और अगले दिन उनका सिम एक्टिवेट हो गया लेकिन तब तक ठग ने उनके आईडीबीआई अकाउंट से 68.5 लाख रुपए उड़ा लिए थे। इसके लिए उसने ओटीपी का इस्तेमाल किया था। वोडाफोन आइडिया ने पहचान दस्तावेजों का प्रॉपर वेरिफिकेशन किए बिना डुप्लिकेट सिम कार्ड जारी किया और नया सिम कार्ड एक्टिवेट करने में भी देरी की। इस दौरान ठग ने अपना काम कर लिया। यही वजह है कि कंपनी की इस लापरवाही पर गंभीर सवाल खड़े हुए। राजस्थान के आईटी विभाग ने कंपनी को कस्टमर को 27.5 लाख रुपए का पेमेंट करने को कहा है।

मारुति सियाज की बिक्री का आंकड़ा 3 लाख इकाइयों के पार

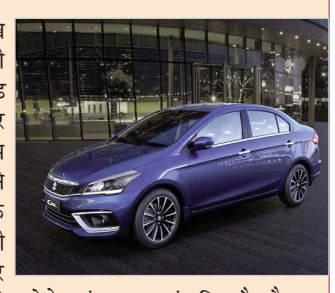

नई दिल्ली: देश की प्रमुख ऑटो कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) ने शुक्रवार को कहा कि उसकी मध्यम आकार की सेडान सियाज ने 2014 में बाजार में आने के बाद से तीन लाख इकाइयों की कुल बिक्री का आंकड़ा पर कर लिया है। सियाज 1.5-लीटर पेट्रोल इंजन द्वारा संचालित है और यह सुजुकी की 'स्मार्ट हाइब्रिड' तकनीक से लैस है, जो ईंधन दक्षता को बढ़ाती है। इस गाड़ी की दिल्ली में शोरूम कीमत 8.72 लाख रुपए से 11.71 लाख रुपए के बीच है। एमएसआईएल के वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक (विपणन और बिक्री) शशांक श्रीवास्तव ने कहा कि 2014 में पेशकश के बाद से सियाज ने अत्यधिक प्रतिस्पर्धी प्रीमियम सेडान खंड में शानदार सफलता हासिल की है।

टैक्स में छूट को लेकर सरकार की शर्त, Tesla पहले भारत में शुरू करे निर्माण

बिजनेस डेस्क:

सरकार ने इलेक्ट्रिक कार बनाने वाली अमेरिकी की दिग्गज कंपनी टेस्ला (Tesla) को रियायत देने के लिए एक शर्त सामने रखी है। भारी उद्योग मंत्रालय ने कंपनी से कहा है कि वह पहले भारत में अपने इलेक्ट्रिक वाहनों का निर्माण शुरू करे, उसके बाद ही उसे टैक्स में छूट पर विचार किया जा सकता है। टेस्ला ने भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) पर आयात शुल्क में कमी की मांग की है। सरकारी सूत्रों ने कहा कि सरकार किसी ऑटोमोबाइल कंपनी को टैक्स में इस तरह की कोई छूट नहीं दे रही है और टेस्ला को शुल्क लाभ देने से भारत में अरबों डॉलर का निवेश करने वाली दूसरी कंपनियों को अच्छा संकेत नहीं मिलेगा। अभी पूरी तरह से निर्मित यूनिट्स (सीबीयू) के रूप में आयात की जाने वाली कारों पर इंजन के आकार तथा लागत, बीमा और माल ढुलाई (सीआईएफ) के आधार पर 60 से 100 प्रतिशत तक सीमा शुल्क लगता है।

टेस्ला की मांग

अमेरिकी कंपनी ने सरकार से अनुरोध किया है कि सीमा शुल्क मूल्य से इतर इलेक्ट्रिक कारों पर शुल्क को 40 प्रतिशत तक मानकीकृत किया जाए, और इलेक्ट्रिक कारों पर 10 प्रतिशत का सामाजिक कल्याण अधिभार (social welfare cess) वापस लिया जाए। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि देश में ई-वाहनों पर जोर दिए जाने को देखते हुए टेस्ला के पास भारत में अपना विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने का सुनहरा अवसर है। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने हाल में भारत सरकार से ड्यूटी टैक्स में कटौती की मांग की थी। उन्होंने ट्वीट किया, हमें उम्मीद है कि इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए कम से कम अस्थाई राहत मिलेगी। नीति आयोग (NITI Aayog) जैसी कई एजेंसियों और ट्रांसपोर्ट मिनिस्ट्री ने भी ड्यूटी में कटौती का समर्थन किया है लेकिन भारी वाहन मंत्रालय के सहयोग के बिना यह संभव नहीं है। घरेलू कंपनियों को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने आयात किए जाने वाले वाहनों पर 100 फीसदी ड्यूटी लगा रखी है।

इंडियाबुल्स हाउसिंग को उसके म्यूचुअल फंड व्यवसाय को ग्रोव को बेचने की CCI से मंजूरी

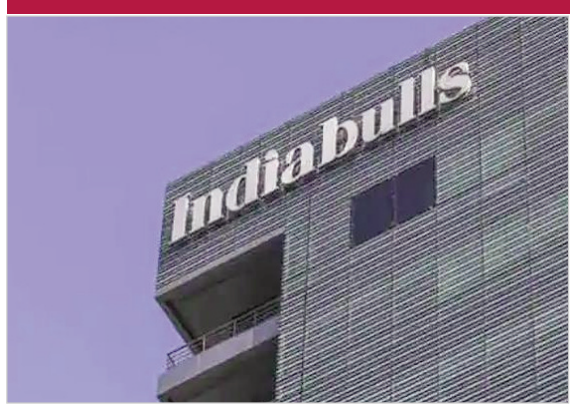

नई दिल्ली:

इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनेंस (आईबीएचएफएल) को उसके म्यूचुअल फंड व्यवसाय को 175 करोड़ रुपए में ग्रोव को बेचने की भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) से मंजूरी मिल गई है। इंडिया बुल्स की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगियों -इंडिया बुल्स एसेट मैनेंजमेंट कंपनी लिमिटेड (आईएएमसीएल) और इंडियाबुल्स ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड (आईटीसीएल) ने इस साल मई में नेक्स्टबिलियन टैक्नालॉजी (ग्रोव) के साथ म्यूचुअल फंड व्यवसाय की बिक्री के लिए पक्का समझौता किया था। यह सौदा इन दोनों अनुषंगियों द्वारा किया जाएगा। आईबीएचएफएल ने एक नियामकीय सूचना में कहा है, ''इसी समझौते पर आगे भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने नौ सितंबर 2021 को भेजे एक संदेश पत्र में सौदे को मंजूरी दे दी।%% कंपनी ने कहा है कि म्यूचुअल फंड व्यवसाय को बेचने के पीछे उसका मकसद अपने खुदरा रियल एस्टेट संपति प्रबंधन व्यवसाय पर ध्यान देना है।

म्यूचुअल फंड उसका मूख्य कारोबारी क्षेत्र नहीं है। ग्रोव ने अपना वित्तीय सेवाओं का कारोबार मई 2016 में शुरू किया था। बेंगलूरू मुख्यालय वाली इस कंपनी को टाइगर ग्लोबल, सेक्यूआ कैपिटल इंडिया, वाई कांबिनेटर और रिब्बिट कैपिटल जैसे निवेशकों का समर्थन प्राप्त है। कंपनी भारत के 900 से अधिक शहरों में डेढ करोड़ से अधिक उपयोगकर्ताओं को सेवायें देती है।

सोने की तरफ निवेशकों का बढ़ा रुझान, अगस्त में Gold ETF में निवेश किए इतने करोड़

नई दिल्ली:

सोने को लेकर हाल के दिनों में निवेशकों की धारणा में सुधार दिखाई दिया है। सोने को लेकर हाल के दिनों में निवेशकों की धारणा में सुधार दिखाई दिया है। यही वजह है कि जुलाई में स्वर्ण-ईटीएफ में शुद्ध निकासी के बाद अगस्त माह में सोने के एक्सचेंज ट्रेडिड फंड्स (गोल्ड-ईटीएफ) में सुधार दिखाई दिया और माह के दौरान 24 करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित किया गया। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष के पहले आठ महीनों के दौरान गोल्ड ईटीएफ में कुल प्रवाह 3,070 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। धारणा में सुधार आने के साथ ही गोल्ड ईटीएफ में निवेशक फोलियो की संख्या अगस्त में 21.46 लाख तक पहुंच गई जो पिछले महीने में 19.13 लाख थी। पीली धातु में निवेश करने वाले इस ईटीएफ में हालांकि, अगस्त 2019 से धीमी गति से सुधार का रुख है। हालांकि इस दौरान गोल्ड-ईटीएफ में नवंबर 2020 में 141 करोड़, फरवरी 2021 में 195 करोड़ और जुलाई 2021 में 61.5 करोड़ रुपए की शुद्ध निकासी दर्ज की गई। जुलाई 2021 में निकासी के बाद अगस्त में सोने में निवेश सकरात्मक रहा लेकिन शुद्ध खरीद केवल 23.92 करोड़ रुपए की रही।

इसकी तुलना में, जून 2021 में इस ईटीएफ में 360 करोड़ रुपए और मई में 288 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश हुआ। मार्निंगस्टार इंडिया में वरिष्ठ विश्लेषक प्रबंधक शोध कविता कृष्णन ने कहा कि महामारी के बावजूद वैश्विक स्तर पर कुल मिलाकर बने सकारात्कमक रुख से पीली धातु को लेकर धारणा में सुधार आया है। एलएक्सएमई की संस्थापक प्रीति राठी गुप्ता ने कहा कि अगस्त माह के दौरान गोल्ड-ईटीएफ ने निकासी के बजाय निवेश बढ़ने की तरफ उल्लेखनीय बदलाव देखा है।

अमेजन किंडल को करने वाला है अपडेट, नेविगेशन होगा आसान

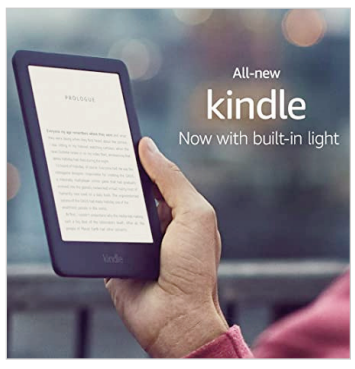

सैन फ्रांसिस्को।

अमेजन अपने किंडल, पेपरव्हाइट और ओएसिस उपकरणों के लिए एक सॉफ्टवेयर अपडेट जारी कर रहा है, जिससे उनका उपयोग करना आसान हो जाएगा। इनगैजेट की रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी ने एक बयान कहा है कि आने वाले हफ्तों में किंडल 8-जनरेशन और बाद में पेपरव्हाइट 7-जेनरेशन के साथ नए ओएसिस लाइन में बदलाव किया जाएगा। सबसे पहले, अपडेट यूजर्स को डिस्प्ले की चमक को समायोजित करने, ब्लूटूथ और सिंक मोड को चालू करने और सभी सेटिंग्स पर जाने के लिए स्क्रीन से नीचे की ओर स्वाइप करने की अनुमति देगा। कंपनी ने बयान में कहा जल्द ही एक बेहतर होम और लाइब्रेरी अनुभव भी आ रहा है जो नए फिल्टर और सॉर्ट मेनू, एक नया सेव फोटो और एक इंटरैक्टिव स्क्रॉल बार के साथ एक संशोधित लाइब्रेरी पेशकश करेगा। अपडेट किए गए होम पोर्टल में हाल ही में पढ़ा गया अनुभाग होगा। जो अधिकतम 20 आइटम संग्रहीत करता है, जिसे बाईं ओर स्वाइप करके एक्सेस किया जा सकता है। इस साल की शुरूआत में, अमेजॅन ने किंडल के स्क्रीनसेवर के रूप में बुक कवर सेट करने की क्षमता जोड़ी है। और तेजी से डाउनलोड करने में भी सक्षम है। रिपोर्ट में कहा गया है कि किंडल सबसे लोकप्रिय ई-रीडर हैं। और आम तौर पर एक काफी बुनियादी ऑपरेटिंग सिस्टम हैं जो कभी-कभी नेविगेट करना मुश्किल हो सकता है। यह अपडेट एक महत्वपूर्ण बदलाव नहीं हो सकता हैं, लेकिन वे सामान्य टूल को सर्च करना आसान हो जाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मानसिक रूप से जोकोविच इस खेल को खेलने वाले सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हैं : ज्वेरेव

न्यूयॉर्क। विश्व के नंबर-1 खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच के हाथों यूएस ओपन के सेमीफाइनल मुकाबले में हारने के बाद जर्मनी के एलेक्सजेंदर ज्वेरेव ने कहा कि मानसिक रूप से जोकोविच इस खेल को खेलने वाले सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हैं। 20 ग्रैंड स्लैम के विजेता जोकोविच ने तीन घंटे 38 मिनट तक चले मुकाबले में ज्वेरेव को 4-6, 6-2, 6-4, 4-6, 6-2 से हराया।ज्वेरेव ने कहा, यह एक अच्छा मैच था। पांचवें सेट की शुरूआत से थोड़ी निराशा हुई। सच कहूं तो इसके अलावा यह एक अच्छा मैच था। मुझे लगता है कि हम दोनों ने इसे वहीं छोड़ दिया। पांचवें सेट में दूसरा ब्रेक इतना हास्यास्पद था कि कभी-कभी ऐसा हो जाता है। लेकिन वह एक कारण से दुनिया में नंबर-1 है और उन्होंने यह साबित किया। उन्होंने कहा, जरूरत पड़ने पर वह सर्वश्रेष्ठ टेनिस के साथ आते हैं। हम 55-शॉट रैलियां खेलते हैं। मेरे लिए उस रैली को जीतने का एकमात्र तरीका फोरहैंड विजेता से पार पाना है। ज्वेरेव ने कहा, यही वजह है कि उन्होंने 20 ग्रैंड स्लैम जीते हैं। विश्व नंबर 1 पर उनका सबसे अधिक समाह बिताने का एक कारण है। उसके लिए बहुत सारे कारण हैं। मुझे लगता है कि मानसिक रूप से वह इस खेल को खेलने वाले सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हैं। मानसिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण क्षणों में मैं उनके अलावा किसी और के खिलाफ खेलना पसंद करूंगा।

नीदरलैंड ने टी-20 विश्व कप टीम का किया ऐलान

एम्स्टर्डम ।

नीदरलैंड ने अगले महीने यूएई और ओमान में आयोजित होने वाले आईसीसी टी-20 विश्व कप के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। अनुभवी पीटर सीलार के नेतृत्व वाली इस टीम में उन 12 खिलाड़ियों ने वापसी की जो दो साल पहले के विश्व कप क्वालीफायर टूर्नामेंट में खेले थे। वहीं विश्व कप क्वालीफायर टीम से बाहर होने वाले 37 वर्षीय स्टीफन मायबर्ग ने घरेलू स्तर पर और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय सफेद गेंद मुकाबलों में लगातार रन बनाने की बदौलत टीम में स्थान अर्जित किया है। टोबियास विसे और शेन स्नेटर भी रिजर्व खिलाड़ी के रूप में टीम में शामिल हुए हैं। नीदरलैंड चौथी बार टी-20 विश्व कप में शामिल हो रही है। मायबर्ग के पास पिछले टी-20 विश्व कप का अनुभव है, जिसमें उन्होंने 145.83 के स्ट्राइक रेट और 31.11 की औसत से 280 रन बनाए थे। 31 वर्षीय लोगान वैन बीक और 21 वर्षीय बास डी लीडे ने भी टीम में वापसी की है। डी लीडे अपने पिता टिम के नक्शेकदम पर चलते हुए अपने क्रिकेट करियर को आगे बढ़ा रहे हैं। उनके पिता ने 1996 से 2007 तक नीदरलैंड की ओर से क्रिकेट विश्व कप के सभी मैचों में भाग लिया था। बल्लेबाजी में संतुलन के लिए टीम में कई विकल्प जोड़े गए हैं। रयान टेन डोशेट और रूलोफ वैन डर मेरवे जैसे खिलाड़ियों को चुना गया है जो मध्य ओवरों में टीम को संभालने की काबिलियत रखते हैं। मैक्स ओ डॉड, बेन कूपर और स्कॉट एडवर्ड्स के साथ मायबर्ग का अनुभव बल्लेबाजी में और गहराई लाता है। इसके अलावा कप्तान एवं ऑल राउंडर सीलार के पास गेंदबाजी विकल्पों की भी कोई कमी नहीं है। वह यूएई में 2019 क्वालीफायर के परिणामों से भी प्रोत्साहित होंगे, जहां उनकी गेंदबाजी शानदार रही थी। पॉल वैन मीकेरेन, टिम वैन डर गुग्टेन, फ्रेड क्लासेन और ब्रैंडन ग्लोवर जैसे तेज गेंदबाज चुनौतीपूर्ण रहेंगे, जबकि वैन डर मेरवे, कॉलिन एकरमैन और सीलार बीच के ओवरों में गेंदबाजी करके विरोधी टीमों को मुश्किलों में डाल सकते हैं। नीदरलैंड की टीम टी-20 विश्व कप के राउंड एक में प्रतिस्पर्धी ग्रुप ए में शामिल है, जहां वे आयरलैंड, नामीबिया और श्रीलंका से भिड़ेगी।

नीदरलैंड की टीम : पीटर सीलार (कप्तान), कॉलिन एकरमैन, फिलिप बोइसेवेन, बेन कूपर, बास डी लीडे, स्कॉट एडवर्ड्स, ब्रैंडन ग्लोवर, फ्रेड क्लासेन, स्टीफन मायबर्ग, मैक्स ओ डॉड, रयान टेन डोशेट, लोगान वैन बीक, टिम वैन डर गुग्टेन, रूलोफ वैन डर मेरवे, पॉल वैन मीकेरेन।

रिजर्व खिलाड़ी : टोबियास विसे, शेन स्नेटर।

अबुधाबी के लिए रवाना हुए ये भारतीय खिलाड़ी, जल्द जड़ेंगे अपनी टीम के साथ

अबु धाबी ।

भारतीय टीम में शामिल मुंबई इंडियंस के तीन सदस्य कप्तान रोहित शर्मा , तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मध्य क्रम के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को एक निजी चार्टर उड़ान से अबु धाबी पहुंच गए हैं। तीनों खिलाड़ी अपने परिवार के साथ आज सुबह यहाँ पहुंचे और आईपीएल के दिशानिर्देशानुसार उन्हें आज से छह दिन के सख्त क्वारंटीन में रहना पड़ेगा। भारत और इंग्लैंड के बीच शुक्रवार से होने वाला पांचवां और अंतिम टेस्ट भारतीय खेमे में कोरोना की आशंका के चलते रद्द करना पड़ा जिसके बाद मुंबई इंडियंस ने अपने खिलाड़ियों को यूएई पहुंचाने के लिए निजी चार्टर विमान का सहारा लिया। सभी सदस्यों का रवानगी से पहले आरटी-पीसीआर टेस्ट नेगेटिव आया था। आगमन के पश्चात उनका नया आरटी-पीसीआर टेस्ट अबु धाबी में लिया गया और यह ही नेगेटिव आया।

शुभंकर शर्मा ने आसानी से कट हासिल किया

वेंटवर्थ (ब्रिटेन) : भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा ने यहां बीएमडब्ल्यू पीजीए चैम्पियनशिप के दूसरे दौर में तीन अंडर 69 का कार्ड खेलकर आसानी से कट में जगह बनायी। पहले दौर में 70 का कार्ड खेलने वाले शुभंकर का कुल स्कोर पांच अंडर 139 है। वह शुरुआती दौर के कार्ड से संयुक्त रूप से 51वें स्थान पर चल रहे थे लेकिन दूसरे दौर के शानदार कार्ड से वह संयुक्त रूप से 25वें स्थान पर पहुंच गए। शुभंकर सत्र के अंत में होने वाली 'रेस टू दुबई वर्ल्ड टूर चैम्पियनशिप' के लिए क्वालीफाई करने की कोशिश में जुटे हैं जिसमें शीर्ष 60 गोल्फर जगह बनाते हैं। वह इसमें अभी 104वें स्थान पर हैं। यहां अच्छा नतीजा उन्हें शीर्ष 90 में पहुंचा सकता है।

जोकोविच अमेरिकी ओपन के फाइनल में, कैलेंडर ग्रैंडस्लैम से एक जीत दूर

न्यूयॉर्क :

सर्बियाई स्टार नोवाक जोकोविच ने शुक्रवार की रात टोक्यो ओलिम्पिक स्वर्ण पदक विजेता एलेक्जैंडर ज्वेरेव पर पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए शानदार जीत से अमरीकी ओपन पुरूष एकल के फाइनल में प्रवेश किया जिससे वह कैलेंडर ग्रैंडस्लैम से केवल एक जीत दूर हैं। शीर्ष रैंकिंग खिलाड़ी जोकोविच ने फ्लशिंग मिडोज पर ज्वेरेव को पांच सेट तक चले मुकाबले में 4-6, 6-2, 6-4, 4-6, 6-2 से हराया जिससे इस सत्र में मेजर चैम्पियनशिप में उनकी जीत का रिकार्ड 27-0 हो गया। अब वह 1969 के बाद कैलेंडर ग्रैंडस्लैम बनने वाला पहला खिलाड़ी बनने से बस एक कदम के फासले पर हैं। 52 साल पहले रॉड लीवर ने सत्र के सभी चारों ग्रैंडस्लैम जीते थे और स्टेफी ग्राफ 1988 में ऐसा करने वाली महिला खिलाड़ी थीं।

ए.टी.पी. रैंकिंग में रिकॉर्ड समय से शीर्ष पर हैं नोवाक

जैकोविच ने इस साल फरवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन, जून में फ्रैंच ओपन और जुलाई में विम्बलडन में मेजर खिताब जीते हैं। सर्बिया के इस 34 साल के खिलाड़ी ने शुक्रवार को ज्वेरेव को हराकर अपने 31वें करियर स्लैम फाइनल में प्रवेश किया और फैडरर के इस रिकॉर्ड की बराबरी की। वह अभी तक न्यूयार्क में रिकॉर्ड 9 फाइनल में पहुंच चुके हैं जिसमें से तीन बार उन्होंने चैम्पियनशिप जीती है। ए.टी.पी. रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर सबसे ज्यादा हफ्ते तक रहने वाले जोकोविच अब रविवार को फाइनल में दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव से भिड़ेंगे।

मेदवेदेव ने सैमीफाइनल में फैलिक्स को हराया

रूस के 25 साल के मेदवेदेव ने सैमीफाइनल में कनाडा के 12वें वरीय फैलिक्स ऑगर एलियासिमे को 6-4, 7-5, 6-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। वह इस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में जैकोविच से हारे थे और 2019 अमरीकी ओपन फाइनल में उन्हें नडाल ने हराया था। पिछले साल जैकोविच को चौथे दौर के बाद फ्लशिंग मिडोज से डिस्क्वालीफाई कर दिया गया था क्योंकि एक गेम गंवाने के बाद उन्होंने एक बॉल हिट की जो एक लाइन जज के गले में लग गई थी। जैकोविच ने 2003 से प्रोफैशनल टैनिस खेलना शुरू किया था। वहीं, मेदवेदेव ने 2016 से शुरूआत की।

संक्षिप्त समाचार

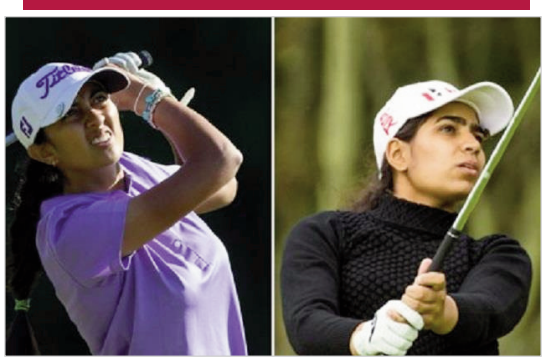

त्वेसा मलिक और अदिति स्विस लेडिज ओपन में संयुक्त 22वें स्थान पर

होल्जहौसर्न (स्विट्जरलैंड) : भारतीय गोल्फर त्वेसा मलिक दूसरे दौर में शुक्रवार को बोगी रहित छह अंडर 66 के स्कोर से हमवतन अदिति अशोक के साथ लेडीज यूरोपीय टूर के वीपी बैंक स्विस ओपन गोल्फ में संयुक्त रूप से 22वें स्थान पर है। पहले दौर में 73 का कार्ड खेलने वाली त्वेसा का कुल स्कोर पांच अंडर 139 है और वह अदिति के साथ संयुक्त 22वें स्थान पर है। पहले दौर में दो अंडर 70 का स्कोर करने वाली अदिति ने दूसरे दौर में तीन अंडर 69 का स्कोर किया। खराब मौसम के कारण हालांकि कई खिलाड़ी शनिवार को अपने दूसरे दौर का खेल पूरा करेंगे। अन्य भारतीय खिलाड़ियों में पहले दौर में 73 का स्कोर करने वाली गौरिका बिश्नोई का दूसरे दौर में 69 का कार्ड खेला। वह दो अंडर 140 के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से 36वें स्थान पर है। वाणी कपूर (73, 72) भी संयुक्त 61 वें स्थान के साथ कट में जगह बनाने में सफल रही। अमनदीप द्राल (72, 75), रिदिमा दिलावड़ी (75, 75) और आस्था मदान (81, 84) कट में जगह बनाने में विफल रहे।

लग रहा था कि पांचवें टेस्ट में मोड़ आएगा : लॉयड

मैनचेस्टर। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर डेविड लॉयड का कहना है कि उन्हें ऐसा लग रहा था कि भारत और इंग्लैंड के बीच होने वाले पांचवें टेस्ट मैच में कोई मोड़ आएगा। भारत और इंग्लैंड के बीच सीरीज का पांचवां और आखिरी मुकाबला भारतीय कैंप में बढ़ते मामले की वजह से अंतिम समय में रद्द किया गया था। लॉयड ने डेली मेल के लिए लिखे कॉलम में कहा, ईसीबी ने गुरूवार को जब सात बजे घोषणा की कि मैच होगा तो मैंने श्रीमती लॉयड से कहा कि अभी मोड़ आना बाकी है। मैं इसलिए निश्चित था कि भारत एक दिन पहले अभ्यास सत्र में नहीं गया। मेरे मन में विचार आया कि हम नहीं खेल रहे हैं। आप नहीं खेल सकते अगर टीम ने मैच से एक दिन पहले अभ्यास नहीं किया है। उन्होंने कहा, इस बारे में चौथे टेस्ट के खत्म होने के बाद कयास लगाए जा रहे थे। इस बात को बल उस वक्त मिला जब टीम के कोच रवि शास्त्री और अन्य स्टाफ कोरोना पॉजिटिव पाए गए। क्या इन्होंने किसी से कहा कि ये लंदन में किताब की लांचिंग में शामिल हुए थे। लॉयड का मानना है कि अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन इंग्लैंड में अपने घरेलू मैदान पर अपना अंतिम टेस्ट खेलने का मौका चूक गए हैं। लॉयड ने कहा, यह हो सकता है कि भारत ने अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करने और अंतिम टेस्ट खेलने से इनकार कर दिया और एंडरसन को एक ऐसे मैदान पर अंतिम खेल से वंचित कर दिया, जिसके एक छोर पर उनका नाम है। लेकिन क्षति उससे कहीं अधिक गहरी है और एंडरसन की व्यक्तिगत स्थिति को आकस्मिक बना देती है।

यूएस ओपन : राम और सालिसबुरी ने जीता पुरुष युगल का खिताब

न्यूयार्क।

चौथी सीड राजीव राम और जोए सालिसबुरी ने जैमी मरे और ब्रुनो सोएरेस को हराकर यहां चल रहे यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल का खिताब अपने नाम किया।राम और सालिसबुरी की जोड़ी ने मरे और ब्रुनो की जोड़ी को फाइनल मुकाबले में 3-6, 6-2, 6-2 से हराया और एक टीम के रुप में अपना दूसरा बड़ा खिताब जीता। अमेरिकी-ब्रिटिश जोड़ी ने 2020 में ऑस्ट्रेलियन ओपन में जीत हासिल की और टोरंटो में एक टीम के रूप में अपना पहला एटीपी मास्टर्स 1000 का खिताब हासिल करने के बाद मजबूत फॉर्म में न्यूयॉर्क पहुंची। विंबलडन के बाद से अब उनका 11-1 का रिकॉर्ड है, जहां वे सेमीफाइनल में पहुंचे थे। इस साल की शुरूआत में, चैंपियनशिप मैच में इवान डोडिग और फिलिप पोलासेक से हारने से पहले, राम और सालिसबुरी ने ऑस्ट्रेलियन ओपन के अंतिम चार में मरे और सोरेस को हराया था। अब वे अपने एटीपी हेड-टू-हेड में मरे और सोरेस से 2-0 से आगे हैं और उनका प्रमुख फाइनल में एक टीम के रूप में 2-1 रिकॉर्ड हो गया है।

मुझे नहीं लगता कि मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ टेनिस खेला : मेदवेदेव

न्यूयॉर्क।

दूसरी सीड रूस के डेनिल मेदवेदेव ने यूएस ओपन के सेमीफाइनल में 12वीं सीड फेलिक्स एउगर एलियासिमे को हराने के बाद कहा कि उन्हें नहीं लगता कि उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ टेनिस खेला।मेदवेदेव ने कहा कि उन्हें इस बार यूएस ओपन का खिताब जीतने की उम्मीद है। मेदवेदेव 2019 में पहली बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे थे लेकिन उन्हें स्पेन के राफेल नडाल के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। मेदवेदेव ने कहा, यह एक अजीब मैच था। मुझे लगता है कि सभी को लगा कि यह एक सेट सब होने जा रहा है और फिर आप कभी नहीं जानते कि मैच कहां जाएगा। मैं सेट प्वॉइंट बचाने में कामयाब रहा और मैच पूरी तरह पलट गया। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि मैंने इस मैच में अपना बेस्ट दिया लेकिन मैं फाइनल में पहुंचने पर काफी खुश हूं। जब एलियासिमे ने दूसरे सेट में दो सेट प्वाइंट लिए तब सिर्फ मैंने एक ही चीज सोचा कि मुझे एस हिट नहीं करना है।

सर्जरी के बाद संतोषजनक रूप से ठीक हो रहे हैं पेले

रियो डी जेनेरो। ब्राजील के लेजेंड फुटबॉल खिलाड़ी पेले की कोलोन से ट्यूमर निकालने के लिए सर्जरी की गई जिसके बाद वह इंटेंसिव केयर में हैं। उनका इलाज कर रही मेडिकल टीम ने इसकी जानकारी दी। रूटीन टेस्ट के दौरान ट्यूमर का पता चलने के बाद 80 वर्षीय फुटबॉल खिलाड़ी चार सितंबर को साओ पाउलो एलबर्ट आइंस्टीन अस्पताल में आए थे। अस्पताल ने मेडिकल बुलेटिन जारी कर कहा, एडसन अरांटेस डो नासकिमेंटो संतोषजनक रुप से ठीक हो रहे हैं। वह होश में हैं और बात कर रहे हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इससे पहले, तीन बार के विश्व कप विजेता ने प्रशंसकों को उनके समर्थन के लिए सोशल मीडिया के जरिए धन्यवाद दिया था और उन्हें आश्वस्त किया कि वह ठीक हो गए हैं। पेले ने इंस्टाग्राम पर कहा था, मेरे दोस्तों, हर गुजरते दिन के साथ मैं थोड़ा बेहतर महसूस करता हूं। मुझे ठीक होने में कुछ और दिन लगेंगे। जब मैं यहां हूं, मैं अपने परिवार के साथ बहुत सारी बातें करने और आराम करने का अवसर ले रहा हूं।

ईमानदारी से कहूं तो यह सब पैसे और आईपीएल के लिए हुआ : वॉन

मैनचेस्टर।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन का मानना है कि भारत और इंग्लैंड के बीच पांचवां टेस्ट मैच रद्द आईपीएल को फायदा पहुंचाने के लिए किया गया।वॉन ने साथ ही कहा कि भारतीय खिलाड़ियों को पीसीआर टेस्ट पर भरोसा करना चाहिए था।वॉन ने द टेलीग्राफ के लिए लिखे कॉलम में कहा, ईमानदारी से कहूं तो यह सब पैसे और आईपीएल को लेकर हुआ है। टेस्ट रद्द कर दिया गया है क्योंकि खिलाड़ियों को कोरोना संक्रमण के खतरे और आईपीएल को मिस करने से डर लग रहा होगा। एक हफ्ते में हम आईपीएल देखेंगे और खिलाड़ी मुस्कुराते और खुश होकर इधर-उधर दौड़ेंगे। लेकिन उन्हें पीसीआर टेस्ट पर भरोसा करना चाहिए था। हम अब इस वायरस के बारे में बहुत कुछ जानते हैं। हम इसे बेहतर तरीके से प्रबंधित और संभालना जानते हैं।उन्होंने कहा, मुझे यह आश्चर्यजनक लगता है कि भारत मैच खेलने के लिए 20 सदस्यीय टीम के 11 खिलाड़ियों को नहीं उतार कर सका। अगर ऐसे खिलाड़ी थे जो अलग होना चाहते थे और खेलना नहीं चाहते थे, तो ठीक है। यह व्यक्तिगत पसंद के बारे में है। लेकिन भारत को एकादश के खिलाड़ियों को मैदान पर उतारने के लिए हर संभव कोशिश करनी चाहिए थी, भले ही इसका मतलब तीसरी स्ट्रिंग टीम चुनना ही क्यों न हो। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में बहुत सारे रिजर्व खिलाड़ियों के साथ जीत हासिल की थी।वॉन ने कहा, उन्हें इस खेल में अपनी भूमिका निभानी चाहिए थी, जैसे इंग्लैंड को पिछले साल दक्षिण अफ्रीका में अपने मुकाबलों को पूरा करना चाहिए था। जब गुरुवार की रात भारतीय टीम के पीसीआर टेस्ट सभी नेगेटिव आए तो मेरे लिए यह हरी झंडी थी कि मैच आगे बढ़ना चाहिए। क्रिकेट के खेल को इस टेस्ट मैच की जरूरत थी। सीरीज शानदार ढंग से तैयार की गई थी। यह सही नहीं था कि टॉस से 90 मिनट पहले एक टेस्ट मैच रद्द किया जा सकता है।

बेलफास्ट वनडे : आयरलैंड और जिम्बाब्वे के बीच दूसरा वनडे मैच बारिश के कारण रद्द

बेलफास्ट। आयरलैंड और जिम्बाब्वे के बीच खेला जाने वाला दूसरा अंतरराष्ट्रीय वनडे मैच बारिश के कारण रद्द कर दिया गया। बारिश होन से पहले एक पारी का खेल हुआ जिसमें आयरलैंड की टीम ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। हालांकि टॉस जिम्बाब्वे की टीम ने जीता था। विलियम पोर्टरफिल्ड (67) और हैरी टेक्टर (55) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर मेजबान टीम ने पहले खेलते हुए 50 ओवर में आठ विकेट पर 280 रन बनाए। पोर्टरफिल्ड ने 100 गेंदों में सात चौकों और एक छक्के की मदद से 67 रन की पारी खली जबकि टेक्टर ने 42 गेंदों पर छह चौकों और एक छक्के की मदद से 55 रन की पारी खेली। इन दोनों बल्लेबाजों के अलावा कप्तान एंड्रयू बालबिरनी ने 43 गेंदों में तीन चौकों और छक्के की मदद से 40 रन की पारी खेली। जिम्बाब्वे की ओर से रिचर्ड ग्वारा ने तीन विकेट लिए जबकि ब्लेसिंग मुजाराबानी, लूक जोंग्वे और सीन विलयम्स ने एक-एक विकेट अपने नाम किए। अब दोनों टीमों के बीच सीरीज का तीसरा और अंतिम मुकाबला 13 सितंबर को खेला जाएगा। फिलहाल सीरीज मे आयरलैंड 1-0 से आगे है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आ गया है मानसून। मतलब खूब सारी बारिश और टर्र-टर्र करते मेंढक, मम्मी के हाथ का बना गर्म सूप और कागज की नाव तैराने का समय। ऊपर से सोने पर सुहागा यह कि स्कूल भी अभी बंद ही हैं, इसलिए तुम्हारे तो वारे-न्यारे हो गए हैं। तुम तो इस मौसम में खूब मस्ती करते हो, ये हमें पता है, पर क्या तुम्हें पता है कि जानवर-पक्षी क्या करते हैं? वो कैसे मजे करते हैं। चलो आज जरा घर से बाहर निकलें और इनकी दुनिया में चलें...

मानसून में ये भी गाते गुनगुनाते नहाते हैं..

यूं तो बारिश में ज्यादातर जानवर और पक्षी छांव वाली जगह की तलाश में रहते हैं, जहां उन पर पानी न गिरे। इसके लिए वे किसी पेड़ के तने, गुफा, पत्ते के नीचे या जमीन के नीचे चले जाते हैं। लेकिन कई जानवर इस बारिश को खूब पसंद करते हैं। खासकर कुछ खास किस्म की चिड़िया गाना गाती हैं तो कुछ पंख फैलाकर नहाती हैं। बारिश के समय मैना, कोयल खूब गाना गाती हैं। चिड़ियों को बारिश खूब पसंद होती है। वो पेड़ की डाली पर बैठकर बारिश का मजा लेती हैं। पत्तों से टपकता पानी उन्हें खूब पसंद है। लेकिन कई तरह की चिड़िया इस मौसम के आने से पहले दूसरे इलाकों में कूच कर जाती हैं। इनमें व्हाइट रप्ड मनाकिंस खास है। अमेरिका में रहने वाली ये चिड़िया फल खाती है और दो-तीन घंटे से अधिक समय तक भोजन के बिना नहीं रह सकती। जैसे ही बारिश का मौसम आता है ये दूसरे इलाकों की ओर चली जाती हैं।

ऐसे बचाओ अपने पेट्स को

बारिश के समय तुम यह सुनिश्चित करो कि तुम्हारे पेट्स भीगें नहीं। अगर वो भीग भी गए हैं तो उन्हें तुरंत पोंछ दो। अगर उन्हें ठंड लग रही है तो किसी कंबल से ढंककर रखो। जैसे ही बारिश बंद हो तो उन्हें घुमाने कहीं बाहर ले जाओ। उनके साथ खूब खेलो, जिससे वे सुस्त न पड़ें। उनके फर और पंजों को साफ करते रहो। इस मौसम में सबसे ज्यादा जानवर बीमार होते हैं, इसलिए तुम उन पर नजर रखो। अगर उन्हें जलन-खुजलाहट हो रही है या बाल झड़ने लगे हैं तो यह इन्फेक्शन के पनपने की निशानी है। समय से वेक्सिनेशन करवाना जरूरी है।

मौसम बदलेगा, ये पहले से जान लेते हैं: भारी बारिश या तूफान आने से पहले ब्लैक कोकाटूस पहाड़ों से नीचे आना आरंभ कर देते हैं। ऐसा ये सुबह के समय करते हैं।

बिल्लियां अपने पैरों को चाटती हैं और उससे अपनी आंखों को साफ करती हैं। ऐसा माना जाता है कि बिल्ली के कान काफी तेज होते हैं और उन्हें मौसम बदलने से पहले ही कुछ ध्वनियां सुनाई देने लगती हैं, जिससे उनमें यह बदलाव आ जाता है।

गाय का बछड़ा यदि ज्यादा एक्टिव दिख रहा हो तो इसका मतलब है कि बारिश आने वाली है। बछड़ा ऐसे में अपनी आंखों क ो खुजलाना आरंभ करता है। अगर कुत्ता अपनी पीठ के बल सोने लगे तो समझ लेना चाहिए कि मौसम बदल सकता है। अगर मेंढक चिल्लाने लगें तो मान लें कि 24 से 48 घंटे में बारिश गिरेगी। तोते बारिश होने से पहले खास तरह की आवाजें निकालना आरंभ कर देते हैं। कछुए अगर नदी को छोड़कर मैदानी इलाकों की ओर आएं तो समझ लीजिए कि बारिश या बाढ़ आने वाली है।

तुम्हारे लिए मस्ती का समय है ये...

स्कूल अभी कुछ दिन पहले ही खुले हैं और बारिश शुरू हो चुकी है। मतलब फुल टू मस्ती और धमाल करने का समय है ये। तुम बारिश में खूब नहा सकते हो, खेल सकते हो और चाहो तो घर की खिड़की से इसके नजारे देख सकते हो। पानी में छप-छप करना, दोस्तों को भिगोना, उन्हें छींटे मारना, नाव बनाकर तैराना कितना मजेदार होगा ना। हल्की बारिश में फुटबॉल खेलो, वॉलीबॉल खेलो, क्रिकेट खेलो और मस्ती करो। अगर मां घर से न निकलने दें तो पेंटिंग बनाओ या सूप पियो।

क्या करते हैं जानवर

तोता चुप रहता है और कोई जगह ढूंढकर वहां छिप जाता है। गिलहरी और चुहिया गर्म जगह की तलाश करते हैं और वहां से छिपकर बारिश देखते हैं। मेंढ़क, कछुए और मछली तालाब या झील के नीचे के भाग में स्थित पत्थरों में शरण लेते हैं। रेंगने वाले जीवों जैसे सांप आदि की खासियत होती है उनकी चमड़ी। चमड़ी पर प्रोटीन होता है, जिसे केरेटिन कहा जाता है। ये उनकी त्वचा को वॉटरप्रूफ बना देता है, इसलिए ये खूब नहाते हैं। ओरंगुटान किसी पेड़ के पत्तों से अपने सिर को ढंककर बैठ जाता है। पीले रंग की चिडिया अमेरिकन गोल्डफिंचेस जरा सी देर भी गीला होकर नहीं रह सकती। बारिश शुरू होते ही वह सूखी जगह की तलाश कर वहां छिप जाती है। मोर बारिश शुरू होने से पहले नाचना शुरू कर देता है। मॉरनिंग डव्स को नहाना पसंद होता है। कठफोड़वा भी खूब नहाता है। बारिश के समय मेंढक तेज आवाजें निकालता है। तोता बारिश बंद होने के बाद एक डाली से दूसरी डाली तक आता-जाता है और नाचता है।

मानसून बोलो या काल वर्षा

मानसून शब्द अरबी भाषा के शब्द 'मौसिम' से बना है। केरल में मानसून को 'काल वर्षा' कहा जाता है। 'मानसून' उन मौसमी पवनों को कहते हैं, जो ठंड में महाद्वीपों से महासागरों की ओर और गर्मी में महासागरों से महाद्वीप की ओर चलती हैं।

बारिश में भीगो पर...

बारिश में भीगने में सभी को मजा आता है। चुभती-जलती गर्मी से राहत मिलती है, प्रकृति और भी सुंदर हो जाती है। जगह-जगह बहते झरने, नदियां कितने सुंदर लगते हैं। वैसे तो मम्मी-पापा भी बारिश को पसंद करते हैं, पर जब बारी बच्चों की आती है तो मम्मी ज्यादा देर बारिश में नहाने नहीं देतीं। जल्दी से घर में आ जाओ, बारिश में मत भीगो, बस इसी बात की रट लगाये रहती हैं। उनका कहना सही भी है, क्योंकि बारिश बच्चों के लिए बीमारियों का कारण भी बन सकती है। हां, अगर तुम इन बातों को ध्यान में रखो तो तुम बारिश का मजा भी ले सकते हो और बीमार भी नहीं पड़ोगे। इस मौसम में सबसे ज्यादा मच्छर पैदा होते हैं, जो कई बीमारियों को जन्म देते हैं। इसलिए घर में पानी इकट्ठा मत होने दो। इसके लिए तुम घर में नीम की सूखी पत्तियों का धुंआ कर सकते हो। मानसून में पीने के पानी में अक्सर गंदगी आ जाती है, जो टायफाइड, कॉलरा जैसी बीमारियां फैलाती है। इसलिए पानी उबालकर ही पीएं। बाहर का खाना न खाएं। बारिश के पानी में ज्यादा देर तक मत रहो। इससे तुम्हें स्किन की बीमारियां हो सकती हैं। इसलिए तुम रेनकोट, रेनबूट पहनो और छाता लेकर ही निकलो। जब भी भीगो तो जल्दी से कपड़े बदलो। इस समय गटर या मेनहोल्स के पास मत जाओ, क्योंकि ये सभी ओवरफ्लो होते हैं। मानसून में सर्दी-जुकाम और खांसी हो जाती है। इसलिए मम्मी जो दें वो ही खाओ। नाखूनों को काटकर रखो, क्योंकि बहुत सारी बीमारियां इन नाखूनों से ही पेट के अंदर जाती हैं। इस मौसम में तुम्हें बार-बार हाथ धोने चाहिये। अगर बारिश में तुम्हारे मोजे गीले हो जाएं तो उन्हें उतार दो, नहीं तो फंगल इन्फेक्शन हो सकता है। अगर तुम्हारे घर में एसी लगा है तो नहा कर सीधे उस कमरे में मत जाना, बीमार पड़ सकते हो। गीले बिजली के तारों को मत छूना और न ही उन पर फंसी कोई चीज लोहे के डंडे से निकालने की कोशिश करना।

जानो आइसक्रीम की हिस्ट्री

बच्चों! आइसक्रीम हर किसी को ललचाती है। आज बाजार में आइसक्रीम वनीला, चॉकलेट, स्ट्रॉबेरी, मैंगो, पाइनऐपल आदि के स्वाद के साथ कोन, कप, स्टिक आदि के आकर्षक पैकेज में मौजूद है, लेकिन क्या आपको पता है कि आखिर तरह-तरह की वेरायटी वाली आइसक्रीम बनी कैसे, इसकी शुरुआत कब और कैसे हुई? आइए जानें इस बारे में..

वैसे यह निश्चित रूप से मालूम नहीं है कि सबसे पहले आइसक्रीम कैसे बनी और इसकी शुरुआत कैसे हुई, लेकिन एक किंवदंती के अनुसार, लगभग दो हजार साल पहले रोमन सम्राट नीरो ने अपने गुलामों से कहा था कि वे पास के पहाड़ों से बर्फ ले आयें। नीरो ने उस बर्फ में फलों का रस, शहद आदि मिलाया और उसका आनंद लिया. इसे ही आइसक्रीम की शुरुआत माना जा सकता है। समय बीतने के साथ लोग बर्फ में अन्य स्वादिष्ट चीजें मिलाकर खाने लगे और सन् 1600 तक आइसक्रीम काफी लोकप्रिय हो युकी थी। इसके बाद लोग अनेक प्रकार के प्रयोग करके इसे नया-नया रूप, आकार व स्वाद देकर और लोकप्रिय बनाते चले गये। एक बार पार्टियों में वेटर का काम करने वाले रॉबर्ट ग्रीन नामक व्यक्ति ने मजबूरीवश एक प्रयोग कर डाला। उस समय क्रीम और काबरेनेटेड पानी मिला कर एक पेय बनाया जाता था जो कई दशकों तक खासा लोकप्रिय रहा था। एक पार्टी में उस पेय के लिए क्रीम कम पड़ गई। ग्रीन ने उसकी जगह वनीला आइसक्रीम डाल दी। आइसक्रीम एक फोम के रूप में गिलास में ऊपर तक भर गई और वह घोल काफी स्वादिष्ट बन पड़ा था और जल्दी ही वह लोकप्रिय हो गया। इसे आइसक्रीम सोडा के नाम से पुकारा जाने लगा। इसी तरह के मजबूरीवश किये प्रयोगों ने अन्य प्रकार की आइसक्रीम्स को जन्म दिया।

संडे आइसक्रीम

स्मिथसन नामक व्यक्ति के पास एक छोटा-सा रेस्त्रं था, जिसमें लोग आइसक्रीम खाने अक्सर आते थे. 1890 के एक रविवार के दिन उसके रेस्त्रं में आइसक्रीम कम पड़ने लगी और दूसरी चीजें, जैसे फल, विभिन्न प्रकार की चॉकलेटें, क्रीमें आदि काफी थीं। रविवार को आइसक्रीम की आपूर्ति नहीं होती थी इसलिए स्मिथसन ने आइसक्रीम की मात्र कम कर दी तथा उसके ऊपर फल, चॉकलेट सिरप और दूसरी गाढ़ी क्रीम डालना प्रारंभ कर दिया। जब ग्राहकों ने इसकी तारीफ करना प्रारंभ कर दिया तो उसने इस आइसक्रीम का नाम संडे आइसक्रीम रख दिया। अब वह हर रविवार को संडे आइसक्रीम देने लगा। धार्मिक कारणों से कुछ लोगों द्वारा संडे नाम का विरोध करने पर स्मिथसन ने संडे आइसक्रीम में संडे की स्पेलिंग बदल डाली।

कोन वाली आइसक्रीम

कुरकुरे कोन में आइसक्रीम खाने का अलग ही आनंद है। इसकी शुरुआत भी मजबूरी में ही हुई। 1904 में सेंट लुई मेले में दो व्यक्ति खाने की वस्तुओं के काऊंटर पर अगल-बगल खड़े थे। एक पेपर की प्लेटों में आइसक्रीम बेच रहा था और दूसरा वेफर पर (पेस्ट्री जैसा लगने वाला) जिसके ऊपर चीनी के दाने चिपके हुए थे। अगस्त का महीना था और लोग धड़ाधड़ आइसक्रीम ले रहे थे। वेफर बेचने वाला मुंह ताक रहा था। तभी अचानक कागज की प्लेटें कम पड़ गईं और आइसक्रीम वाले को लगा कि अब उसे अपना काऊंटर बंद करना पड़ेगा। तभी वेफर बेचने वाला उसकी मदद के लिए आगे आया। उसने वेफल से कोन बनाया और दोनों उसमें आइसक्रीम भर कर बेचने लगे। लोगों को कुरकुरा वेफ र आइसक्रीम के साथ बहुत भाया तथा अब वह खूब बिकने लगा। 1920 तक एक-तिहाई आइसक्रीम कोन में बिकने लगी।

चॉकलेट आइसक्रीम

एक दिन क्रिश्चियन नेल्सन नामक व्यक्ति अमेरिका के आयोवा में स्थित अपनी दुकान में आइसक्रीम व चॉकलेट बेच रहा था। तभी एक बालक हाथ में सिक्के लिए दुकान में आया और आइसक्रीम की फरमाइश की। फिर उसने इरादा बदल दिया और चॉकलेट की फरमाइश कर डाली। नेल्सन को लगा कि यह बालक तभी संतुष्ट हो पायेगा जब उसे दोनों स्वाद मिलेंगे। उसने आइसक्रीम की एक स्लाइस काटी तथा उसके दोनों ओर चॉकलेट की पतली परत चिपका दी और तभी चॉकलेट आइसक्रीम की खोज हो गयी। अब वह नयी चॉकलेट वाली आइसक्रीम जमाने लगा। उसने इस दिशा में अनेक प्रयोग भी कर डाले ताकि चॉकलेट उसकी आइसक्रीम से भली प्रकार चिपक जाये। उसे सफलता आसानी से नहीं मिल रही थी। तभी उसको एक सेल्समैन ने सलाह दी कि वह कोको बटर का प्रयोग करे। अब नेल्सन ने नये सिरे से प्रयोग प्रारंभ कि ये। 1920 में एक रात उसने आइसक्रीम की एक स्लाइस चॉकलेट के मिश्रण में डाली। कुछ देर बाद चॉकलेट ठंडा होकर आइसक्रीम के चारों ओर जम गया। इसके साथ ही चॉकलेट लगी आइसक्रीम खासी लोकप्रिय हो गई।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

मेक्सिको सिटी के निकट भूस्खलन में एक की मौत, 10 लोग लापता

त्लालनेपांतला (मेक्सिको)। मेक्सिको शहर के बाहरी इलाके में शुक्रवार को पहाड़ के दरक जाने से घनी आबादी वाले इलाके में बड़े-बड़े पत्थर गिरे और इस घटना में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई तथा 10 लोग लापता हैं। भूस्खलन के कारण यहां तीन मंजिला इमारत की ऊंचाई के बराबर मलबा जमा हो गया और दमकलकर्मी इस मलबे में दबे लोगों को निकालने के प्रयास कर रहे हैं। त्लालनेपांतला के मेयर रेसियल पेरेज क्रूज ने एक वीडियो संदेश में कहा, ''इस वक्त हमारी प्राथमिकता लोगों को बचाने की है।'' मेक्सिको राज्य की नागरिक सुरक्षा एजेंसी की ओर से जारी वक्तव्य में कहा गया कि कम से कम 10 लोग लापता हैं। इस घटना से पहले, मध्य मेक्सिको में कई दिन तक भारी बारिश हुई थी। मंगलवार रात को यहां भूकंप भी आया था जिसकी तीव्रता सात मापी गई थी।

इजराइली सेना ने 2 भागे हुए फिलिस्तीनी कैदियों को पकड़ा

तेल अवीव। इजराइली पुलिस ने शनिवार को घोषणा की कि सुरक्षा बलों ने छह में से दो फिलिस्तीनी कैदियों को पकड़ लिया है, जो छह सितंबर को जेल से फरार हो गए थे। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, एक पुलिस प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि दोनों को शुक्रवार की रात शिन बेट आंतरिक सुरक्षा बलों की एक टीम ने नासरत शहर के पास माउंट प्रिसिपिस के पास पकड़ा था। सुरक्षा बलों द्वारा जारी किए गए वीडियो फुटेज से पता चला है कि उन्हें बिना किसी प्रतिरोध के गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने कहा कि फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद आतंकवादी समूह से जुड़े याकूब कादरी और मुहम्मद अरदा के रूप में पहचाने जाने वाले दो लोगों को पूछताछ के लिए ले जाया गया है। इजराइल के चैनल 12 टीवी समाचार ने बताया कि नासरत में एक इजराइली-अरबपरिवार के सदस्यों की जानकारी से पुलिस को संदिग्धों का पता लगाने में मदद मिली है। दोनों खाना मांगने के लिए परिवार के पास पहुंचे और परिवार ने तुरंत पुलिस को फोन किया।

गाजा के आतंकवादियों ने इस्राइल पर रॉकेट दागे: सेना

येरुशलम। इजरायली सेना ने शनिवार को कहा कि गाजा पट्टी में आतंकवादियों ने देश के क्षेत्र में एक रॉकेट दागा, लेकिन उसे रोक लिया गया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, रॉकेट ने तटीय फिलिस्तीनी एन्क्लेव के पास एशकोल क्षेत्रीय परिषद में सायरन बजा दिया, लेकिन कोई चोट या क्षति नहीं हुई। एक इजरायली सैन्य प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, रॉकेट को आयरन डोम एयर डिफेंस सिस्टम द्वारा इंटरसेप्ट किया गया था। रॉकेट हमला इजरायली सुरक्षा बलों द्वारा सोमवार को जेल से भागे दो फिलिस्तीनी कैदियों को पकड़ने के लगभग एक घंटे बाद हुआ। दोनों फिलीस्तीनी इस्लामिक जिहाद से जुड़े हैं, जो एक आतंकवादी समूह है। छह फिलिस्तीनी कैदी सोमवार को उत्तरी इजराइल में गिल्बोआ जेल से एक दुर्लभ जेलब्रेक में भाग गए थे, जिसके बाद इजराइल और कब्जे वाले वेस्ट बैंक में बड़े पैमाने पर तलाशी ली गई।

अमेरिका ने स्टील टैरिफ विवाद को हल करने के लिए प्रस्ताव रखा

वाशिंगटन। अमेरिका ने यूरोपीय संघ (ईयू) को एक प्रारंभिक प्रस्ताव प्रस्तुत किया है, जिसमें एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ब्लॉक से आयातित स्टील पर तीन साल के विवाद को हल करने के लिए टैरिफ-दर-कोटा प्रणाली शामिल है। समाचार एजेंसी ने शुक्रवार को ब्लूमबर्ग न्यूज की रिपोर्ट के हवाले से कहा कि दोनों पक्षों के अधिकारी 29 सितंबर को पिट्सबर्ग में यूएस-ईयू व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद की उद्घाटन बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा करेंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि यूएस की शुरूआती पेशकश केवल स्टील से संबंधित थी और इसमें एल्युमीनियम शिपमेंट शामिल नहीं थे। उन्होंने कहा, टैरिफ-दर कोटा देशों को कम शुल्क दरों पर अन्य देशों को एक उत्पाद की निर्दिष्ट मात्रा में निर्यात करने की अनुमति देता है, लेकिन एक पूर्व-निर्धारित सीमा से अधिक उच्च शुल्क के अधीन शिपमेंट है। यह प्रस्ताव मई में अमेरिका और यूरोपीय संघ के नेताओं द्वारा धारा 232 के तहत यूरोपीय संघ से आयात पर टैरिफ के अमेरिकी आवेदन के बाद विश्व व्यापार संगठन (विश्व व्यापार संगठन) विवादों को समाप्त करने वाले मार्ग को चार्ट करने के लिए सहमत होने के बाद आया। ब्लूमबर्ग के अनुसार, यूरोपीय आयोग ने अमेरिकी समकक्षों के साथ पुष्टि की है कि वह 1 दिसंबर से पहले एक समाधान खोजना चाहता है।

यूके की कंजर्वेटिव पार्टी का समर्थन 2019 के चुनावों के निचले स्तर पर

लंदन। ब्रिटेन की सत्तारूढ़ कंजर्वेटिव पार्टी के लिए समर्थन 2019 के आम चुनावों के बाद से अपने निम्नतम स्तर पर आ गया है, जब सरकार ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) और सामाजिक देखभाल सुधार के लिए कर बढ़ाने का फैसला किया, एक नए सर्वेक्षण में यह बात सामने आई है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, टाइम्स अखबार के लिए यूगोव द्वारा किए गए और शुक्रवार को जारी किए गए सर्वेक्षण में कहा गया है कि सरकार इस सप्ताह की शुरूआत में राष्ट्रीय बीमा बढ़ाने की योजना की घोषणा के बाद कंजर्वेटिव के लिए समर्थन पांच अंक कम होकर 33 प्रतिशत हो गया है। पोल ने विपक्षी लेबर पार्टी को 35 प्रतिशत की बढ़त के साथ जनवरी के बाद पहली बार कोविड -19 महामारी की ऊंचाई पर रखा। यह दिखाता है कि केवल 1 प्रतिशत मतदाताओं का मानना है कि नई लेवी और सामाजिक देखभाल सुधार उन्हें बेहतर स्थिति में छोड़ देंगे। 10 में से छह मतदाताओं ने नहीं सोचा था कि प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन या उनकी पार्टी ने करों को कम रखने की परवाह की है, जबकि 10 में से दो मतदाताओं ने कहा कि उन्हें परवाह है। यूजीओवी पोल ने सुझाव दिया कि नीति ने एनएचएस और सामाजिक देखभाल में बढ़े हुए निवेश का श्रेय दिए बिना कम कराधान की पार्टी के रूप में कंजरवेटिव्स की प्रतिष्ठा को कम कर दिया है। यूजीओवी के राजनीतिक शोध निदेशक एंथनी वेल्स ने कहा, हमें एक ही सर्वेक्षण से बहुत सारे निष्कर्षों पर छलांग लगाने से सावधान रहना चाहिए, लेकिन ऐसा लगता है कि सरकार ने टोरी मतदाताओं के बीच कम करों के लिए वास्तव में एनएचएस की मदद करने के लिए बहुत अधिक क्रेडिट प्राप्त किए बिना अपनी प्रतिष्ठा का त्याग कर दिया है।

9/11- अमेरिका के इतिहास का सबसे बड़ा आतंकी हमला, कभी नहीं भुल पाएंगे अमेरिकी

वाशिंगटन /नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

इतिहास में 11 सितंबर का दिन एक दुखद घटना के साथ दर्ज है। दुनिया के सबसे ताकतवर देश अमेरिका के सीने पर इस दिन हुए घातक आतंकी हमले ने एक ऐसा जख्म दिया, जिसकी टीस रहती दुनिया तक कायम रहेगी। 2001 को 11 सितंबर के दिन आतंकवादियों ने यात्री विमानों को मिसाइल की तरह इस्तेमाल करते हुए अमेरिका के विश्वप्रसिद्ध वर्ल्ड ट्रेड टॉवर और पेंटागन को निशाना बनाया। इसे अमेरिका के इतिहास के सबसे बड़े आतंकी हमले के तौर पर देखा जाता है। इसके अलावा 11 सितंबर की तारीख को स्वामी विवेकानंद के एक चर्चित भाषण से जोड़कर देखा जाता है, जो उन्होंने 1893 को अमेरिका के शिकागो में विश्व धर्म सम्मेलन में दिया था। उन्होंने कहा था कि अगर यह बुराइयां न होतीं तो दुनिया आज से कहीं बेहतर जगह होती।

देश दुनिया में 11 सितंबर की तारीख पर दर्ज अन्य महत्वपूर्ण घटनाओं का सिलसिलेवार ब्यौरा इस प्रकार है

1893: अमेरिका के शिकागो क्षेत्र में आयोजित विश्व धर्म सम्मेलन में स्वामी विवेकानंद ने सांप्रदायिकता, धार्मिक कट्टरता और हिंसा पर ऐतिहासिक भाषण दिया। इस दौरान उन्होंने सभी धर्मों की अच्छाइयों का भी जिक्र किया। 1895 = महान स्वतंत्रता सेनानी, सामाजिक कार्यकर्ता और प्रसिद्ध गांधीवादी नेता विनोबा भावे का जन्म। 1906 : महात्मा गांधी ने दक्षिण अफ्रीका में सत्याग्रह आन्दोलन आरंभ किया। 1919 : अमेरिकी नौसेना ने होंडुरास पर आक्रमण किया। 1922 : आस्ट्रेलिया के मेलबर्न में सचित्र दैनिक समाचार पत्र द सन न्यूज पेक्टोरियल की शुरूआत। 1939 : इराक और सऊदी अरब ने जर्मनी के खिलाफ युद्ध की घोषणा की। 1948 : ब्रिटिशकालीन भारत के प्रमुख नेता और मुस्लिम लीग के अध्यक्ष मुहम्मद अली जिन्ना का निधन। 1951 : फ्लोरेंस चैडविक ने इंग्लिश चैनल तैरकर पार किया। उन्हें इंग्लैंड से फ्रांस पहुंचने में 16 घंटे और 19 मिनट लगे। ऐसा करने वाली वह पहली महिला। 1961 : विश्व वन्यजीव कोष की स्थापना। 1968 : एयर फ्रांस का विमान नाइस के निकट दुर्घटनाग्रस्त। हादसे में 89 यात्रियों और चालक दल के छह सदस्यों की मौत। 2001: अमेरिका में आतंकवादियों ने विमान अपहरण कर न्यूयार्क के वर्ल्ड ट्रेड टावर की दो इमारतों, वर्जीनिया स्थित पेंटागन और पेन्सिलवेनिया पर हमला किया। 2003 : चीन के विरोध के बावजूद अमेरिकी राष्ट्रपति जार्ज बुश तिब्बत के धार्मिक नेता दलाई लामा से मिले। 2005 : गाजा पट्टी में 38 साल से जारी सैन्य शासन समाप्त करने की घोषणा। 2019 : अमेरिका ने प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के

सरगना नूर वली महसूद पर प्रतिबंध लगाया और उसे वैश्विक आतंकवादी करार दिया। 2020 : सामाजिक कार्यकर्ता स्वामी अग्निवेश का निधन।

चीन ने चेताया, अफगानिस्तान में अस्थिरता का गलत इस्तेमाल कर सकती हैं अंतर्राष्ट्रीय ताकतें

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

चीन अफगानिस्तान में नवगठित तालिबान सरकार के सबसे मजबूत और निकटतम उभरते सहयोगियों में से एक है। पश्चिमी देशों से अफगानिस्तान को विदेशी सहायता और धन अवरुद्ध होने के कारण, चीन को युद्धग्रस्त राष्ट्र के भविष्य के प्रबंधन, मांग और भविष्य को प्रभावित करने का मौका मिला है।

उपरोक्त वास्तविकता को अफगानिस्तान के पड़ोसी देशों के बीच आयोजित अफगान मुद्दे पर पहली विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान चीन द्वारा हाल ही में दिए गए बयानों से स्थापित किया जा सकता है, जिसे चीन के स्टेट काउंसलर और विदेश मंत्री वांग यी ने वर्चुअल तरीके से संबोधित किया था। यी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि अफगानिस्तान अब इतिहास के चौराहे पर खड़ा है और मानवीय मुद्दों, लोगों की आजीविका और कोविड-19 महामारी की गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। यह कहते हुए कि इन मुद्दों का इस्तेमाल अंतरराष्ट्रीय ताकतों द्वारा अफगानिस्तान में नई परेशानी पैदा करने के लिए किया जा सकता है, उन्होंने अमेरिका और उसके अन्य पश्चिमी सहयोगियों की ओर एक स्पष्ट इशारा किया है। उन्होंने कहा, तालिबान ने एक अंतरिम सरकार की घोषणा की है, जो अपने आप में अफगानिस्तान के भविष्य का सामना करने वाली बहुत सारी अनिश्चितताओं को इंगित करती है। पड़ोसी देशों के रूप में, हम देश को युद्ध और अराजकता से बाहर निकलने और सकारात्मक प्रभाव डालने के अवसर को भुनाते हुए विकास को फिर से शुरू करने के लिए उत्सुक हैं। यी ने अफगानिस्तान में मौजूदा अराजक स्थिति के लिए प्रमुख अपराधी के तौर पर अमेरिका और उसके सहयोगियों की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, अमेरिका और उसके सहयोगी अफगान मुद्दे के अपराधी हैं। पिछले 20 वर्षों में, अफगानिस्तान में आतंकवादी ताकतें खत्म होने के बजाय बढ़ रही हैं और अफगानों को विकास और सम्मान हासिल करने के बजाय गरीबी और कठिनाई में जीने को मजबूर किया गया है। अफगानिस्तान से अमेरिका और नाटो बलों के बाहर निकलने और तालिबान शासन द्वारा देश के अधिग्रहण के बाद से, पश्चिमी देशों ने अफगानिस्तान की वित्तीय सहायता को रोक दिया है और इसे गंभीर मानवीय और वित्तीय संकट में डाल दिया है। इस संवेदनशील मोड़ पर, चीन तालिबान के साथ सक्रिय संपर्क में रहा है और उसने उन्हें आपूर्ति, सहायता और यहां तक कि भविष्य के विकास-स्तर के वित्त पोषण का आश्वासन दिया है।

सीआईए प्रमुख ने अफगानिस्तान मुद्दे पर पाक, भारत के साथ महत्वपूर्ण बैठकें की

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में विकासशील स्थिति को देखते हुए तालिबान की अंतरिम सरकार पर अमेरिका सहित पश्चिमी देशों द्वारा व्यापक रूप से सवाल उठाए जा रहे हैं। इस बीच अमेरिकी की खुफिया एजेंसी सीआईए के निदेशक विलियन बर्न्स ने हाल ही में पाकिस्तान और भारत के लिए उड़ान भरी, ताकि युद्धग्रस्त राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण बैठकें और परामर्श किया जा सके।

पाकिस्तान में अपने प्रवास के दौरान, बर्न्स ने सेना के प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा और खुफिया प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद से मुलाकात की। पाकिस्तान में इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, यह दोहराया गया कि पाकिस्तान क्षेत्र में शांति के लिए अपने अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ सहयोग करने के लिए प्रतिबद्ध है और यह अफगान लोगों के लिए एक स्थिर और समृद्ध भविष्य सुनिश्चित करता है।

हालांकि, स्थिति उतनी उज्?जवल नहीं है जितनी बताई जा रही है। ऐसा कहा जा रहा है कि सीआईए प्रमुख की पाकिस्तान और भारत यात्रा का मुख्य उद्देश्य यह रहा है कि इस्लामाबाद आतंकवाद के खिलाफ युद्ध में अमेरिका का सहयोगी बना रहे और अमेरिका ने अफगानिस्तान में भारत के बढ़ते प्रभाव और उपस्थिति का प्रस्ताव दिया, जब उसने डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन के तहत अपनी दक्षिण एशिया नीति की घोषणा की। पाकिस्तान अफगानिस्तान से विदेशी नागरिकों को निकालने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और वह तब एक महत्वपूर्ण गंतव्य बन गया, जब सेना की वापसी प्रक्रिया के दौरान अमेरिका और अन्य नाटो सैनिकों को काबुल से निकाला जा रहा था।

अफगानिस्तान से अमेरिका और नाटो बलों की वापसी के बाद से तुर्की, कतर, ईरान, रूस, चीन और पाकिस्तान जैसे देश तालिबान शासन के साथ निरंतर परामर्श और सक्रिय संपर्कों के साथ अफगानिस्तान में जुट रहे हैं। यह एक गठबंधन-आधारित अभिसरण है, वाशिंगटन के लिए जो गंभीर चिंता पैदा कर रहा है।

जो बिडेन प्रशासन ने कहा है कि वह अफगानिस्तान में विकासशील स्थिति पर कड़ी नजर रखेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर वह अपनी पसंद के समय और जब भी जरूरत हो, ड्रोन हमलों के माध्यम से आतंकी ठिकानों को तबाह कर देगा। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि ऐसा भी दावा किया गया है कि अमेरिकी ड्रोन हमले में बच्चों सहित एक परिवार के कम से कम 10 सदस्यों ने अपनी जान गंवा दी। यह एक कथित इस्लामिक स्टेट (आईएस) सदस्य को ले जाने वाले वाहन को लक्षित कर रहा था। काबुल हवाई अड्डे पर घातक विस्फोट के बाद ड्रोन हमला किया गया था, जिसमें सैकड़ों अफगानों और दर्जनों अमेरिकी सैनिकों की जान चली गई थी। हमले का दावा आईएसआईएस-के (इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड लेवेंट - खुरासान) ने किया है।

तालिबान के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने ड्रोन हमले को अंजाम देने के लिए अमेरिका की आलोचना की है। उसने कहा है कि इसमें निर्दोष नागरिकों की जान चली गई है। प्रवक्ता ने यह भी कहा कि अमेरिका को अब अफगानिस्तान में हमले करने का कोई अधिकार नहीं है। उसने कहा, अगर अफगानिस्तान में कोई संभावित खतरा था, तो हमें इसकी सूचना दी जानी चाहिए थी, न कि एक मनमाना हमला किया जाना चाहिए था, जिसके परिणामस्वरूप नागरिक हताहत हुए हैं। सीआईए प्रमुख का एजेंडा उसी तर्ज पर लगता है, जब उन्होंने पाकिस्तान और भारत के शीर्ष सैन्य अधिकारियों से मुलाकात की और अफगानिस्तान के तालिबान अधिग्रहण से जुड़ी सुरक्षा चिंताओं पर चर्चा की। हालांकि, यह माना जाता है कि अमेरिका पाकिस्तान के माध्यम से खुफिया जानकारी साझा करने और भारत के माध्यम से जमीन पर नजर रखने के जरिए अफगानिस्तान में अपने प्रभाव को जीवित रखने की कोशिश कर रहा है, क्योंकि वह अफगानिस्तान को इस क्षेत्र के अपने महत्वपूर्ण विरोधियों से लिप्त देखता है।

यमन से हमलों के बीच अमेरिका ने सऊदी अरब से मिसाइल रक्षा प्रणाली हटाई

दुबई (एजेंसी)।

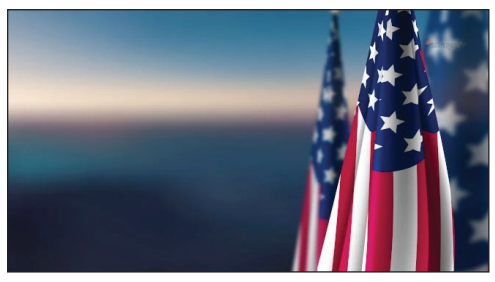

अमेरिका ने हाल के हफ्तों में सऊदी अरब से अति आधुनिक मिसाइल रक्षा प्रणाली और पैट्रियट बैटरी को हटा लिया। यह ऐसे समय में हो रहा है जब देश यमन के हुती विद्रोहियों से लगातार हवाई हमले का सामना कर रहा है। द एसोसिएटेड प्रेस द्वारा उपग्रह की तस्वीरों के विश्लेषण से यह जानकारी हासिल हुई। रियाद से बाहर प्रिंस सुल्तान एयर बेस से सुरक्षा प्रणाली को हटाने का यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ जब अमेरिका के खाड़ी अरब सहयोगियों ने अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की अफरा-तफरी वाले माहौल में वापसी देखी है। ईरान का मुकाबला करने के लिए अरब प्रायद्वीप में हजारों अमेरिकी सैनिक बने हुए हैं। खाड़ी अरब देशों को अमेरिका की भविष्य की योजनाओं को लेकर चिंता सता रही है क्योंकि उसकी सेना एशिया में बढ़ते सैन्य खतरे को मानती हैं और उसके लिए उसे मिसाइल रक्षा प्रणाली की जरूरत है।

वहीं विश्व शक्तियों के साथ ईरान के परमाणु समझौते के खत्म होने के बाद इसको लेकर वियना में हो रही बातचीत भी अटक गई है, जिससे क्षेत्र में आगे संघर्ष के खतरे बढ़ गए हैं। राइस यूनिवर्सिटी के जेम्स ए.बेकर III इंस्टीट्यूट फॉर पब्लिक पॉलिसी के एक शोधार्थी क्रिस्टन उलरिसेन ने कहा कि धारणाएं काफी मायने रखती हैं, चाहे वह वास्तविक हों या नहीं और अभी इस क्षेत्र में निर्णय लेने वाले अधिकारियों में यह धारणा है कि अमेरिका इस क्षेत्र के प्रति अब उतना प्रतिबद्ध नहीं है, जितना वह हुआ करता था। अगस्त के अंतिम समय में एपी ने जो उपग्रह से ली गई तस्वीर देखी उसमें यह नजर आ रहा था कि कुछ बैटरी इलाके से हटाई गई हैं। हालांकि गतिविधि और वाहन वहां देखे गए थे। वहीं शुक्रवार को प्लेनेट लैब उपग्रह की तस्वीर में यह दिखा कि इस स्थल पर बैटरी पैड खाली हैं और किसी तरह की गतिविधि भी नहीं है। रक्षा प्रणाली को ऐसे समय में हटाया गया है जब हाल में सऊदी अरब पर हुती के ड्रोन हमले में आठ लोग जख्मी हो गए। सऊदी अरब मार्च, 2015 से ही हुती विद्रोहियों के खिलाफ युद्ध छेड़े हुए है।

भारतीय अमेरिकी ने अफगान लोगों को निकालने के लिए बाइडन की प्रशंसा की

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका के फ्रेमॉन्ट शहर में अफगान शरणार्थियों के पुनर्वास में लगे कैलिफोर्निया के एक भारतीय अमेरिकी शख्स ने उन हजारों अफगान नागरिकों सुरक्षित बाहर निकालने के लिए राष्ट्रपति जो बाइडन और विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन की प्रशंसा की है जिन्होंने 20 साल तक आतंकवाद के खिलाफ अमेरिका के युद्ध में उसकी मदद की। समुदाय के नेता अजय जैन भुटोरिया ने विदेश विभाग द्वारा आयोजित एक वेबिनार में कहा, ''राष्ट्रपति बाइडन, ब्लिंकन और हमारे सैनिकों ने हजारों लोगों को सुरक्षित निकाला।

हम कैलिफोर्निया के फ्रेमॉन्ट तथा अमेरिका के अन्य हिस्सों में अपने अफगान सहयोगियों का उनके नए घरों में स्वागत करने के लिए उत्साहित हैं। साथ ही हम शरणार्थियों की मदद करने के लिए अफगान सामुदायिक संगठनों के साथ काम जारी रखने को लेकर भी उत्साहित हैं।''

भुटोरिया ने कहा, ''हम सौभाग्यशाली हैं कि फ्रेमॉन्ट और हेवार्ड शहर तथा अफगान समुदाय के

नेता इस मुद्दे को लेकर इतने गंभीर हैं और हम विदेश विभाग का आभार जताते हैं कि वह यह समझने के लिए तेजी से इस समुदाय तक पहुंचा कि वे कैसा अनुभव कर रहे हैं और कैसे उनके अनुभव और कौशल अमेरिका में अन्य शहर के नेताओं द्वारा चलायी जा रही पुनर्वास प्रक्रिया में मदद कर सकते हैं।'' विदेश विभाग के दक्षिण और मध्य एशिया के ब्यूरो ने एक ट्वीट में अफगान शरणार्थियों की मदद के लिए काम कर रही फ्रेमॉन्ट शहर की मेयर लिली मेई, अजय जैन भुटोरिया, हेवार्ड शहर परिषद की सदस्य आयशा वहाब और अफगान कोलिशन की सराहना की।

आतंकवाद मुक्त भविष्य के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के संकल्प को याद करते हैं : संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

दुनिया जब 11 सितंबर के हमलों की 20वीं बरसी पर शोक मना रही है, ऐसे में संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद से मुक्त भविष्य के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा 20 वर्ष पहले व्यक्त की एकता और संकल्प को याद कर रहा है। वैश्विक निकाय के महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने यह बात कही। गुतारेस ने 11 सितंबर आतंकवादी हमलों की 20वीं बरसी के मौके पर अपने संदेश में शुक्रवार को कहा, ÷आज हम दुनिया भर के लाखों लोगों के दिल में घर कर चुके एक कलंकित दिन को याद करते हैं। वह दिन जब अमेरिका में कायरतापूर्ण और जघन्य हमलों में आतंकवादियों द्वारा 90 से अधिक देशों के लगभग 3,000 लोगों की जान ले ली गई थी। हजारों लोग घायल हो गए थे।÷ अल-क़ायदा द्वारा अफ़ग़ानिस्तान से किए गए हमलों में आत्मघाती हमलावरों ने चार अमेरिकी यात्री विमानों का अपहरण कर लिया था - जिनमें से दो न्यूयॉर्क में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के ट्विन टावर्स से टकराए थे। एक अन्य विमान अमेरिकी राजधानी वाशिंगटन डीसी के बाहर पेंटागन की इमारत से टकराया था और चौथे विमान के यात्री अपहरणकर्ताओं से भिड़ गए थे और यह विमान पेनसिल्वेनिया में एक मैदान में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। गुतारेस ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र इस हादसे की पीड़ा झेलने वाले लोगों के प्रति सहानुभूति व्यक्त करता है, जिन्हें अपने जीवन को आगे बढ़ाने के लिए शारीरिक और भावनात्मक जख्मों से उबरना पड़ा है। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही राहत एवं बचावकर्मियों का सम्मान करते हैं जिन्होंने दूसरों की मदद के लिए खुद को झोंक दिया, कई लोगों ने अपने जीवन का बलिदान दिया जो उस मानवता और करुणा का उदाहरण है जिसे आतंकवाद मिटाना चाहता है। उन्होंने कहा, 'इसके साथ ही हम आतंकवाद मुक्त भविष्य का लक्ष्य रखते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा 20 साल पहले व्यक्त की गई एकजुटता, एकता और संकल्प को याद करते हैं।' उन्होंने कहा, 'आज, हम न्यूयॉर्क सिटी, अमेरिका के लोगों के साथ-साथ दुनिया भर में हर जगह आतंकवाद के सभी पीड़ितों के साथ एकजुटता से खड़े हैं।' उन्होंने इस बात का विशेष उल्लेख किया कि हम उनके अधिकारों और जरूरतों को बनाए रखने के लिए मिलकर काम करने के लिए खुद को प्रतिबद्ध करते हैं। इस अवसर पर, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्यों ने बृहस्पतिवार को कहा था कि वे आतंकवाद को सभी रूपों में रोकने की अपनी प्रतिबद्धताओं में दो दशक पहले जितने ही एकजुट हैं।

तालिबान ने अमरूल्ला सालेह के भाई पर पहले बरसाए थे कोड़े फिर गला काटने के बाद दागी गोलियां, नहीं दफनाने दे रहा शरीर

काबुल (एजेंसी)।

तालिबान ने अफगानिस्तान के पूर्व उपराष्ट्रपति अमरूल्ला सालेह के बड़े भाई रोहुल्लाह सालेह अजीजी की शुक्रवार को बेरहमी से हत्या कर दी थी। दरअसल, रोहुल्लाह सालेह तालिबान के खिलाफ पंजशीर में जारी युद्ध में तैनात थे लेकिन शुक्रवार को तालिबान की गोलियों के शिकार हो गए।

तालिबान की क्रूरता आई सामने

हाल ही में तालिबान के प्रवक्ता ने पंजशीर घाटी पर कब्जे का दावा किया था और कहा था कि पंजशीर के साथ कोई भी भेदभाव नहीं किया जाएगा लेकिन उन्होंने जिस बेरहमी से साथ रोहुल्लाह की हत्या की और फिर उसके मृत शरीर को दफनाने से रोका है, उसे सारी दुनिया ने देखा। आपको बता दें कि तालिबान ने रोहुल्लाह को पहले कोड़ों और फिर बिजली की तारों से पीटा और फिर बेरहमी से उसका गला काट दिया। इसके बावजूद रोहुल्लाह के साथ क्रूरता नहीं थमी और तालिबान ने उन पर गोलियां बरसाईं।

तालिबान को मिली थी खबर

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक तालिबान को रोहुल्लाह सालेह के काबुल जाने खबर मिली थी। जिसके बाद तालिबान ने उन्हें निशाना बनाया है। बता दें कि रोहुल्लाह काफी दिनों से पंजशीर में तालिबान के खिलाफ मोर्चा संभाले हुए थे और वह नॉर्दन एलायंस की एक यूनिट के कमांडर भी थे। लेकिन तालिबान ने उन्हें न सिर्फ मार डाला बल्कि उनके पार्थिक शरीर के साथ भी क्रूरता की।

सार समाचार

प्राथमिक विद्यालयों को फिर से खोलने पर जल्द ही निर्णय लेंगे: कर्नाटक मंत्री

बेंगलुरू। राज्य में कोविड-19 मामलों की संख्या में गिरावट और उच्च माध्यमिक विद्यालयों और कॉलेजों के फिर से खुलने के बाद सफल संचालन के साथ, कर्नाटक सरकार कक्षा 1 से 5 तक के लिए प्राथमिक विद्यालय शुरू करने पर विचार कर रही है। कर्नाटक के शिक्षा मंत्री बी.सी. नागेश ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार कोविड -19 पर गठित तकनीकी विशेषज्ञ समिति के विचार-विमर्श के बाद कक्षा 1 से 5 तक के स्कूल खोलने पर निर्णय लेगी। उन्होंने कहा, हम जल्द ही विशेषज्ञ समिति के साथ बैठक कर रहे हैं। मामले पर विचार किया जाएगा और उनकी सहमति के बाद निर्णय लिया जाएगा। कर्नाटक सरकार ने 23 अगस्त को कक्षा 9 से 12 के लिए स्कूल और कॉलेज फिर से खोल दिए। राज्य भर में सफलतापूर्वक कक्षाएं संचालित करने के बाद, कक्षा 6 से 9 के छात्रों के लिए स्कूलों को फिर से खोलने का निर्णय लिया गया है। कर्नाटक में मान्यता प्राप्त गैर सहायता प्राप्त निजी स्कूल संघ (आरयूपीएसए) लंबे समय से प्राथमिक स्कूलों को फिर से खोलने की मांग कर रहा है। आरयूपीएसए के अध्यक्ष हलनुरु एस लेपाक्ष ने कर्नाटक सरकार को चेतावनी दी थी कि अगर प्राथमिक स्कूल अभी नहीं खोले गए तो वे विरोध प्रदर्शन करेंगे। हालांकि, राज्य सरकार ने प्राथमिक विद्यालय खोलने के संबंध में सतर्क रास्ता अपनाने का फैसला किया है।

सीबीआई ने बंगाल में चुनाव बाद हिंसा के मामलों की जांच में चौथा आरोपपत्र दाखिल किया

कोलकाता। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद हिंसा के मामलों की जांच में चौथा आरोपपत्र दाखिल किया है। सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों द्वारा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक कार्यकर्ता की कथित हत्या के संबंध में नदिया जिले की कृष्णानगर अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया गया। उन्होंने कहा कि आरोपपत्र में दो मई को विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद भाजपा कार्यकर्ता की हत्या में कथित रूप से शामिल दो आरोपियों के नाम हैं। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पिछले महीने सीबीआई को चुनाव बाद हिंसा के मामलों की जांच करने का निर्देश दिया था। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद की गई हत्याओं और अन्य जघन्य अपराधों के संबंध में अब तक सीबीआई ने 34 प्राथमिकी दर्ज की हैं। सीबीआई पहले ही उत्तर 24 परगना के भाटपाड़ा और बीरभूम जिले के नलहाटी तथा रामपुरहाट में हुई घटनाओं के संबंध में विभिन्न अदालतों में तीन आरोप पत्र दाखिल कर चुकी है।

राज्यों को अभी तक कोविड-19 रोधी टीके की 72 करोड़ से अधिक खुराक दी गयी

नयी दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों को अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 72 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी है। मंत्रालय ने बताया कि भारत सरकार ने निशुल्क और सीधी खरीद प्रक्रिया के जरिए टीकों की ये खुराक मुहैया करायी हैं। उसने कहा कि केंद्र सरकार देशभर में कोविड-19 टीकाकरण की गति तेज करने और उसका दायरा बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। उसने बताया कि देशव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत सरकार राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों को कोविड-19 रोधी टीके निशुल्क मुहैया कराकर उनका सहयोग कर रही है। कोविड-19 टीकाकरण के नए चरण के तहत केंद्र सरकार देश में टीका निर्माताओं द्वारा बनाए जा रहे 75 प्रतिशत टीकों की राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों को निशुल्क आपूर्ति करेगी।

नायडू 3 दिवसीय दौरे पर रविवार को पुडुचेरी पहुंचेंगे

पुडुचेरी। उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू रविवार को केंद्रशासित प्रदेश के तीन दिवसीय दौरे पर पुडुचेरी पहुंचेंगे। वह रविवार सुबह जवाहरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (जिपमर) में एक सौर ऊर्जा संयंत्र का उद्घाटन करेंगे। पुडुचेरी के उपराज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन और मुख्यमंत्री एन. रंगासामी इस कार्यक्रम में भाग लेंगे। जिपमर ने शनिवार सुबह एक प्रेस बयान में कहा कि वेंकैया नायडू एक सौर ऊर्जा संयंत्र का उद्घाटन करेंगे। बयान में कहा गया है कि संयंत्र की कुल स्थापित क्षमता 1482 केडब्ल्यूपी है और इसे 7.67 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित किया गया है। बयान में कहा गया है कि संयंत्र जिपमर की बिजली की मांग का 15 प्रतिशत पूरा करेगा और मौजूदा बिजली दरों के अनुसार हर साल बिजली बिलों में 1.7 करोड़ रुपये की बचत करेगा। उपराष्ट्रपति अरबिंदो आश्रम के लिए रवाना होंगे और सोमवार रात तक राज निवास में रहेंगे। वह सोमवार को पांडिचेरी इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर में पांडिचेरी तकनीकी विश्वविद्यालय को समर्पित करेंगे। वह उसी दिन पांडिचेरी केंद्रीय विश्वविद्यालय में सौर ऊर्जा इकाई का उद्घाटन करेंगे। वेंकैया नायडू मंगलवार सुबह चेन्नई के लिए रवाना होंगे।

लोगों के लिए काम करें, ना की पद के लिए, केजरीवाल की आप कैडर को सुनहरी सलाह

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को अपने कैडर को लोगों के लिए काम करने की सलाह दी, ना कि कुछ पार्टी पदों या चुनावी टिकट के लिए काम करें, क्योंकि वह नहीं चाहते कि जनता उंगली उठाए और यह कहे कि यह पार्टी भी भाजपा और कांग्रेस की तरह हो गई है। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय परिषद के नए सदस्यों के स्वागत के लिए एक वर्चुअल सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, हमें काम करना है और हमें अपने लोगों के लिए कड़ी मेहनत करनी है। अपना काम इतनी शानदार ढंग से करें कि हमें आपको एक पद के लिए नियुक्त करने के लिए आना पड़े, ना कि इसके विपरीत। याद रखें, अगर आपको किसी पद के लिए हमसे संपर्क करना है या टिकट तो इसका मतलब है कि आप इसके लायक नहीं हैं। आपकी खुशी समुदाय की सेवा करने से आनी चाहिए।

2+2 मंत्रिस्तरीय वार्ता से पहले जयशंकर ने ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष पायने के साथ की वार्ता

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच 'टू प्लस टू' मंत्रिस्तरीय वार्ता से पहले अपनी ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष मारिसे पायने से शनिवार को बात की। समझा जाता है कि दोनों विदेश मंत्रियों के बीच अफगानिस्तान के घटनाक्रम और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने पर बातचीत हुई। जयशंकर ने ट्वीट किया, ÷ऑस्ट्रेलिया की मेरी मित्र ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री मारिसे पायने का स्वागत करके प्रसन्नता हो रही है। अब हम अपनी चर्चाएं शुरू कर रहे हैं।÷ पायने और ऑस्ट्रेलियाई रक्षा मंत्री पीटर ड्यूटन शनिवार को निर्धारित 'टू प्लस टू' मंत्रिस्तरीय वार्ता में हिस्सा लेने के लिए तीन दिवसीय यात्रा पर शुक्रवार को यहां पहुंचे।

वार्ता में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और जयशंकर करेंगे। दोनों रक्षा मंत्रियों ने शुक्रवार को अफगानिस्तान में कमजोर सुरक्षा स्थिति और तालिबान शासित अफगानिस्तान से आतंकवाद के प्रसार की आशंका से संबंधित अपनी सामान्य चिंताओं पर चर्चा की। पिछले कुछ वर्षों में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रक्षा और सैन्य सहयोग बढ़े हैं। पिछले साल जून में, भारत और ऑस्ट्रेलिया ने अपने संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं उनके ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष स्कॉट मॉरिसन के बीच एक ऑनलाइन शिखर सम्मेलन के दौरान साजो-सामान जुटाने के संबंध में सैन्य ठिकानों तक पारस्परिक पहुंच के लिए एक ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। ऑस्ट्रेलियाई नौसेना हाल ही में मालाबार नौसैन्य अभ्यास का हिस्सा थी जिसमें भारत, अमेरिका और जापान की नौसेनाएं भी शामिल थीं।

बीजेपी प्रवक्ता के ट्वीट से मचा बवाल, कांग्रेस ने कसा तंज, कहा - आपने श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को 'मच्छर और नालायक' से नवाज़ा!

भोपाल। (एजेंसी)।

मध्य प्रदेश में लगातार बढ़ते डेंगू के मामलों को लेकर अब सियासत शुरु हो गई है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के ट्वीट पर बीजेपी नेता हितेष वाजपेयी ने ट्वीट कर तंज कसा है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि 'एक मच्छर कमलनाथ को मध्यप्रदेश से 'भगा' देता है, 'नालायक' कहीं का!'वहीं हितेष वाजपेयी के ट्वीट पर पलटवार करते हुए प्रदेश कांग्रेस महासचिव केके मिश्रा ने कहा कि धन्यवाद, भाजपा के संवाद प्रमुख रह चुकने के बाद ÷प्रवक्ता÷ बने मित्र डॉ. हितेश बाजपेयी जी आपने श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को 'मच्छर और नालायक' से नवाज़ा! आप पार्टी की आवाज़ है,लिहाज़ा,आपका यह विचार आधिकारिक माना जायेगा।

दरअसल प्रदेश में डेंगू के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इसपर कमलनाथ ने ट्वीट कर कहा, 'मध्यप्रदेश में डेंगू व वायरल फिवर के मरीज़ों का आँकड़ा निरंतर बढ़ कर भयावह होता जा रहा है। कई ज़िले हॉट स्पॉट बन कर इसकी चपेट में आ चुके है। अस्पताल मरीज़ों से भरे पड़े है।स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाल स्थिति प्रतिदिन सामने आ रही है। सरकार को युद्ध स्तर पर इसकी रोकथाम के सभी आवश्यक इंतज़ाम तत्काल करना चाहिये।'

दिल्ली में भारी बारिश से हवाईअड्डे समेत कई इलाकों में जलभराव

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

दिल्ली में शनिवार सुबह भारी बारिश से दिल्ली हवाईअड्डे के प्रांगण और शहर के अन्य हिस्सों में जलभराव हो गया। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) ने ट्वीटर पर बताया कि ''अचानक भारी बारिश आने के कारण हवाईअड्डे के प्रांगण में थोड़े समय के लिए जलभराव हो गया।'' उसने कहा, ''हमारी टीम ने फौरन समस्या पर गौर किया और इसे हल कर लिया गया है।'' नगर निकायों के अनुसार, मोती बाग और आरके पुरम के अलावा मधु विहार, हरी नगर, रोहतक रोड, बदरपुर, सोम विहार, आईपी स्टेशन के समीप रिंग रोड, विकास मार्ग, संगम विहार, महरौली-बदरपुर रोड, पुल प्रह्लादपुर अंडरपास, मुनीरका, राजपुर खुर्द, नांगलोई और किराड़ी समेत अन्य मार्गों पर भी जलभराव देखा गया। लोगों ने सड़कों पर जलभराव की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किए। ट्विटर पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में मधु विहार में कथित तौर पर सड़कों में जलभराव दिखाया गया है जिसमें कुछ डीटीसी क्लस्टर बसों को पानी में खड़ा दिखाया गया और अन्य यात्री जलमग्न सड़कों से अपने वाहन को निकालते दिखे। ट्वीटर उपयोगकर्ताओं ने सदर बाजार इलाके, मिंटो ब्रिज के समीप, आईटीओ और नांगलोई पुल पर जलभराव की वीडियो भी पोस्ट की। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकारियों ने बताया कि सड़कों से पानी की निकासी के लिए कर्मी काम कर रहे हैं। पीडब्ल्यूडी के एक अधिकारी ने बताया, ''शनिवार तड़के भारी बारिश के कारण कई स्थानों पर जलभराव हुआ। हम प्राथमिकता के आधार पर इस समस्या से निपट रहे हैं। हमारे कर्मचारी स्थिति पर चौबीसों घंटे निगरानी रख रहे हैं।'' दिल्ली यातायात पुलिस ने भी लोगों को उन रास्तों की जानकारी देते हुए ट्वीट किए जहां उन्हें जलभराव का सामना करना पड़ सकता है।

भाजपा की केन्द्र सरकार और हरियाणा की भाजपा व जजपा गंठबंधन सरकार पूरी तरह से किसान विरोधी; राज्यसभा सांसद डा. सुशील गुप्ता

चंडीगढ। (एजेंसी)।

आम आदमी पार्टी की किसान मजदूर खेत बचाओ यात्रा का हिसार व टोहाना विधानसभा क्षेत्र के फतेहाबाद, भटटू, भूना मंडी, टोहाना कुला रतिया सिरसा में पहुंचने पर पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। यहां मौजूद लोगों की संख्या से यह आभास हो रहा था, जैसे पूरा प्रदेश यात्रा के स्वागत के लिए उमड पडा हो।

इस दौरान विभिन्न विधानसभा क्षेत्र के पार्टी कार्यकर्ता भारी संख्या में यात्रा के स्वागत के लिए फतेहाबाद, भूना मंडी, भगत सिंह चैक हांसपुरा, एलेनाबाद, अंबेडकर चैक, सिरसा में महाराणा चैक, शिव चैक, सानिया विधानसभा के जीवन नगर पर सुबह से ही पहूंचने से शुरू हो गए थे।

उक्त स्थानों पर यात्रा के पहुंचने पर आम आदमी पार्टी राज्यसभा सांसद एवं हरियाणा सह प्रभारी डॉ. सुशील गुप्ता का पार्टी पदाधिकरियों व कार्यकर्ताओं ने फूल मालाओं से जोरदार स्वागत किया गया। किसान विंग प्रभारी गजेन्द्र सिंह, युवा विंग के अध्यक्ष गौरव बक्सी, किसान विंग के प्रदेशाध्यक्ष निरंजन राम, भटू मंडी से पार्टी के जिला अध्यक्ष अजय झांझरिया, जोन अध्यक्ष लक्ष्य गर्ग, हिसार से संजय बूरा, टोहाना व्यापारी संघ के लोगों ने उनको लडडूओं से तोला और फूलमाला पहनाकर उनका स्वागत किया। इस दौरान डा सुशील गुप्ता ने भूना में शहीद भगत सिंह चैक पर भगत सिंह की मूर्ति पर माला पहनाकर शहीदों की कुर्बानियों को याद किया। इस दौरान लोग देश भक्ति के गीतों पर थिरकते नजर आए। राज्यसभा सांसद एवं हरियाणा सहप्रभारी डा. गुप्ता ने कहा कि पहली बार देशभर के किसान केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए कृषि कानूनों के खिलाफ 9 महीने से अधिक समय से आंदोलनरत हैं। इसके बावजूद भाजपा सरकार किसानों की आवाज सुनने की बजाय उनकी आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है। भाजपा सरकार पूरी तरह से तानाशाही पर उतर आई है। देश की आजादी के बाद भाजपा सरकार पहली ऐसी सरकार ने जिसने किसानों के हितों पर सबसे अधिक कुठाराघात किया है।

भाजपा सरकार पूरी तरह से किसान विरोधी सरकार साबित हुई हैं। उन्होंने कहा कि ये कानून किसानों के लिए नहीं अपितु भाजपा के पूंजीपति मित्रों को लाभ पहुंचाने के लिए बनाए गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि केंद्र सरकार की तरह ही हरियाणा प्रदेश की भाजपा-जजपा गठबंधन की सरकार भी लगातार लाठी के दम पर किसानों की आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है, लेकिन आज सभी वर्ग किसानों के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी किसान आंदोलन के साथ खड़ी है और किसानों की आवाज बनने का काम कर रही है। यह यात्रा इसका छोटा सा स्वरूप है।

उन्होंने कहा जब तक केन्द्र सरकार इन तीनों काले कृषि कानूनों को बिना किसी शर्त के वापस नहीं लेती, तब तक किसानों के आदोलन का साथ आम आदमी पार्टी देती रहेगी। यात्रा आज रात जिला फरीदाबाद पहुंचेगी। जहां वह एक दिन का विश्राम करके पलवल के लिए चलेगी, जहां 13 सितंबर को गांधी आश्रम में इसका समापन होगा। आज की यात्रा में सांसद प्रतिनिधि शिखा गर्ग, दीपक जैन, फतेहाबाद के अध्यक्ष अजय झाझरा , जुलानी गांव के रामपाल सिंह, किसान विंग के गजेंद्र सिंह, निरंजन सिंह,पश्चिमी जोन अध्यक्ष लक्ष्य गर्ग, सचिव सचिन जैन, सभी जोन संयोजग अब्दुल रहीम, सौरव झा, अंकित कादयान,साहिल लठवाल सहित पार्टी के अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राजस्थान से क्यों पलायन को मजबूर हिन्दू परिवार, पीएम से लगाई सुरक्षा की गुहार

जयपुर (एजेंसी)।

राजस्थान के टोंक में हिन्दुओं की असुरक्षा और पलायन का मुद्दा गहलोत सरकार के लिए मुश्किल बनता जा रहा है। टोंक में हिन्दुओं के पलायन और असुरक्षा के मसले पर बीजेपी ने तीन सदस्यों वाली एक कमेटी बनाई थी। जिसने टोंक के मालपुरा का दौरा किया। इस कमेटी के अध्यक्ष सीकर के बीजेपी सांसद सुमेधानंद सरस्वती हैं, जो पीड़ित परिवारों से मुलाकात और पड़ताल के बाद अपनी रिपोर्ट बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सतीश पुनिया को देंगे। वहां के कुछ परिवारों ने अपने घरों के बाहर पोस्टर लगाकर जान का खतरा बताया। इसके साथ ही सीएम गहलोत और प्रधानमंत्री मोदी से सुरक्षा की गुहार भी लगाई है। इतना ही नहीं दो दिन पहले बड़ी संख्या में महिला-पुरूष और बच्चों ने मालपुरा में एक रैली निकाली और एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। लोगों के घरों के बाहर लगे पोस्टर को हटाने पहुंची पुलिस को भी बैरंग लौटना पड़ा।

क्या है पूरा मामला

टोंक का मालपुरा कस्बा साल 1992 में हुए सांप्रदायिक दंगों के बाद से ही संवेदनशील इलाकों में गिना जाता है। यहां बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक समुदायों के बीच पिछले तीन दशक के दौरान कई बार संघर्ष हुए। जिसकी वजह से भविष्य की परिस्थितियों को लेकर लोग आशंकित रहते हैं। ताजा मामला जैन समाज और मुस्लिम समाज के इलाकों के बीच एक मकान से हिंदू परिवार के पलायन से जुड़ा है। यहां रह रहे बहुसंख्यक समाज के लोगों का कहना है कि इस क्षेत्र में अब हिन्दू परिवारों में असुरक्षा का डर बढ़ता जा रहा है। यही कारण है कि परिवार पलायन की राह पर हैं।परिवारों ने पलायन के लिये मजबूर होना बताते हुए प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री तक से सुरक्षा की गुहार लगाई है।

बिहार की बेटी ने बढ़ाया राज्य का सम्मान, इसरो में बनीं कंप्यूटर वैज्ञानिक, परीक्षा में देशभर में मिला तीसरा स्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बिहार के मुजफ्फरपुर की रहने वाली ज्योति ने पूरे राज्य का मान बढ़ाया है। दरअसल, ज्योति इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन में तीसरे रैंक के साथ कंप्यूटर वैज्ञानिक बन गई हैं। ज्योति के परिवार के साथ साथ यह पूरे बिहार के लिए गौरव की बात है। हर तरफ उनकी वाहवाही हो रही है। ज्योति के जानकार बताते हैं कि वह शुरू से मेधावी छात्रा रहीं हैं। उनके पिता प्रोफेसर हैं। फिलहाल ज्योति कोल इंडिया रांची में एग्जीक्यूटिव हैं।

आपको बता दें कि ज्योति ने भागलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज से 2019 में कंप्यूटर साइंस की पढ़ाई पूरी की थी। इसके बाद उनका कोल इंडिया में और फिर नेशनल इनफॉर्मेटिक्स सेंटर में आईटी प्रोफेशनल के लिए चयन हुआ। ज्योति मुजफ्फरपुर के होली मिशन स्कूल से दसवीं की पढ़ाई पूरी करने के बाद 12वीं में साइंस संकाय में 95.5प्र. अंक प्राप्त कर शानदार सफलता हासिल की। इसके बाद इंजीनियरिंग में वह अपना भविष्य संवारने की सोचने लगी। उनकी दिलचस्पी कंप्यूटर साइंस में थी। ऐसे में उन्होंने इसके बारे में सोचा।

हालांकि ज्योति के मन में हमेशा वैज्ञानिक बनने की भी चाहत रहती थी। इसके लिए वह लगातार तैयारी करती रही। पिछले साल इसरो द्वारा वैज्ञानिक के पदों के लिए 12 जनवरी को ही प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई थी। प्रवेश परीक्षा पास करने के बाद इसी साल 16 मार्च को साक्षात्कार भी हुए थे। साक्षात्कार होने के बाद परिणाम है जिसमें ज्योति पूरे भारत में तीसरे नंबर पर आईं। ज्योति की कामयाबी के बाद उनका पूरा परिवार खुश है। ज्योति बिहार की उन तमाम बेटियों के लिए प्रेरणा हैं जो कामयाबी की बुलंदियों पर पहुंचना चाहती हैं।

अब अखिलेश से दूरी बना रहे हैं शिवपाल, विधानसभा चुनाव से पहले राजनीति शुरू

लखनऊ। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश में जब भी किसी चुनाव की डुगडुगी बजती है,सबसे पहले एक ही सवाल राजनैतिक गलियारों में पूछा जाने लगता है कि क्या अबकी बार समाजवादी चाचा-भतीजे अपनी पुरानी अदावत भुलाकर एक हो जाएगें। यह सिलसिला 2017 से चल रहा है और आज तक बदस्तूर जारी है। अगले वर्ष होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर भी यही चर्चा छिड़ी हुई है कि क्या चाचा-भतीजे एकजुट होकर विरोधी दलों का मुकाबला करेगें। यह चर्चा ऐसे ही नहीं छिड़ जाती है,इसको अक्सर समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव हों या फि उनके चचा और प्रगतिशील समाजवादी के अध्यक्ष शिवपाल यादव की तरफ से ही मीडिया के हवाले से हवा दी जाती है। वैसे, चचा-भतीजे के बीच संबंध नहीं सुधर पा रहे हैं उसके लिए राजनैतिक पंडित अखिलेश यादव को ज्यादा जिम्मेदार मानते हैं।

हालात यह है कि अखिलेश, समाजवादी पार्टी संस्थापक और पार्टी के पूर्व अपने पिता मुलायम सिंह यादव की इच्छा का भी सम्मान नहीं रख रहे हैं,जो चाहते हैं कि समाजवादी पार्टी के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले शिवपाल को न केवल समाजवादी पार्टी में शामिल किया जाए,बल्कि उनको पूरा सम्मान भी मिले। जहां तक बात प्रसपा प्रमुख शिवपाल सिंह यादव की है तो वह लगातार कह रहे हैं कि वह भतीजे अखिलेश के साथ मिलकर यूपी विधानसभा चुनाव लड़ना चाहते हैं। हाल यह था कि चाचा उम्मीद लगाए बैठे हैं कि भतीजे की तरफ गठबंधन के लिए बुलावा आएगा, लेकिन भतीजे की तरफ से चाचा को किसी तरह का महत्व नहीं मिल रहा है। यही वजह है गठबंधन के सहारे में बैठे प्रसपा प्रमुख शिवपाल यादव चुनावी तैयारियों में अन्य दलों से पिछड़ते जा रहे थे। प्रसप के अंदर से भी मांग उठने लगी है कि समाजवादी पार्टी से गठबंधन के सहारे बैठे रहने से पार्टी को बड़ा नुकसान होगा। उधर,प्रसपा प्रमुख भी यह बात समझने लगे हैं। इसी के बाद प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (लोहिया) ने अपनी चुनावी तैयारियां तेज कर दी हैं। प्रसपा ने पूरे शहर में बड़ी संख्या में होर्डिंग लगवा दी हैं। प्रसपा की इन होर्डिंग में जनता से किए गए वादों की लिस्ट भी प्रकाशित की गई है।

प्रसपा के सूत्र बताते हैं कि कानपुर की दस विधानसभा सीटों के लिए प्रभावशाली प्रत्याशियों पर मंथन किया जा रहा है। कई प्रभावशाली चेहरे तो पार्टी दफ्तर के चक्कर काट रहे हैं। प्रसपा अब बिना समाजवादी पार्टी गठबंधन के चुनाव लड़ने की तैयारी काफी मजबूती से कर रही है। बात प्रसपा की कि जाए तो उसकी तरफ से विधानसभा और वार्ड प्रभारियों को भी बड़ी जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। विधानसभा प्रभारी और वार्ड प्रभारी जनता की समस्याओं को सुन रहे हैं। इसके बाद उन समस्याओं को लेकर अधिकारियों के पास जा रहे हैं, और उसका निस्तारण करा रहे हैं।

प्रसपा की होर्डिंग में जनता से जो वादे किए गए हैं,उसमें कहा गया है कि यदि प्रदेश में सपा की सरकार बनती है, तो 300 यूनिट बिजली फ्री कर दी जाएगी। प्रत्येक परिवार में एक बेटा और बेटी को सरकारी नौकरी दी जाएगी। प्रत्येक गरीब परिवार को दो कमरों का आवास दिया जाएगा। शिक्षामित्रों और संविदा कर्मियों का समायोजन किया जाएगा। बुजुर्ग, विधवा

और बेरोजगारों को सम्मानजनक पेंशन दी जाएगी। इसके साथ ही पुरानी पेंशन की बहाली की जाएगी। प्रसपा ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी तेजी से पकड़ बना रही है। युवा किसान पार्टी के लिए रीढ़ की हड्डी साबित हो रहे हैं। इन युवा किसानों को ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रसपा कार्यकर्ता ग्रामीण क्षेत्रों में किसान आंदोलन को बड़ा मुद्दा बना रही है। सरकार की जन विरोधी नीतियों से ग्रामीणों को अवगत करा रहे हैं। लब्बोलुआब यह है कि प्रगतिशील समाजवादी पार्टी(लोहिया) अपने आप को इतना मजबूत कर लेना चाहती है कि उसके साथ समझौते के लिए तमाम दलों के नेता स्वयं ही आगे आएं।प्रसपा नेता अपने को छोटे दलों की भेड़ चाल में शामिल नहीं करना चाहती है,लेकिन मजबूरी यह है कि प्रसप का वोट बैंक ही तैयार नहीं हो पा रहा है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात के नए मुख्यमंत्री की रेस में केन्द्र शासित प्रदेश के प्रशासक प्रफुल पटेल का नाम भी चर्चा में

क्रांति समय दैनिक समाचार

गुजरात के नए मुख्यमंत्री के संभावित चेहरों में सबसे बड़ा नाम केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया का है, जो लेउवा पाटीदार समाज से आते हैं। दूसरा नाम है केन्द्र शासित प्रदेश दमन दीव दादरा नगर हवेली समेत लक्षद्वीप के प्रशासक प्रफुल पटेल का है। गुजरात के पूर्व गृह राज्य मंत्री रह चुके प्रफुल पटेल को भी गुजरात बुलाया गया है। 2007 से 2012 तक गुजरात विधानसभा के सदस्य रहे प्रफुल पटेल राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार में गृह राज्य मंत्री थे। प्रफुल पटेल के पिता खोडाभाई पटेल आरएसएस के बड़े कार्यकर्ता थे। वर्ष 2012 में गुजरात विधानसभा का चुनाव हारने के बाद गुजरात में प्रफुल पटेल का राजनीतिक सफर रूक गया था। हांलाकि वर्ष 2014 में नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद प्रफुल पटेल को केन्द्र शासित दमन एवं दीव का प्रशासक नियुक्त किया गया था। केन्द्र शासित लक्षद्वीप के प्रशासक दिनेश्वर शर्मा के निधन के बाद प्रफुल पटेल को लक्षद्वीप का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया था। फिलहाल गुजरात के नए मुख्यमंत्री को लेकर जिन नामों की चर्चा है उसमें मनसुख मांडविया, नितिन पटेल, पुरूषोत्तम रूपाला, गोरधन झडफिया, प्रफुल पटेल और सीआर पाटील शामिल हैं। यह तो तय है कि राज्य में अगला मुख्यमंत्री पाटीदार होगा।

संभावना है कि मनसुख मांडविया, प्रफुल पटेल और गोरधन झडफिया में से कोई एक गुजरात का नया मुख्यमंत्री हो सकता है।

9/11 जैसी त्रासदियों का स्थायी समाधान मानवता के मूल्यों से ही होगा : पीएम मोदी

क्रांति समय दैनिक समाचार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आज के ही दिन स्वामी विवेकानंद ने वैश्विक मंच पर खड़े होकर दुनिया को भारतके मानवीय मूल्यों से परिचित कराया था। आज दुनिया ये महसूस कर रही है कि 9/11 जैसी त्रासदियों का स्थायी समाधान, मानवता के इन्हीं मूल्यों से ही होगा। दुनिया के इतिहास की एक ऐसी तारीख जिसे मानवता पर प्रहार के लिए जाना जाता है। लेकिन इसी तारीख ने पूरे विश्व को काफी कुछ सिखाया है। इस सदी पहले 11 सितंबर 1893 का ही दिन जब शिकागो में विश्व धर्म संसद का आयोजन हुआ था। पीएम मोदी अहमदाबाद में २०० करोड़ रूए की लागत से नवनिर्मित सरदारधाम के लोकार्पण के अवसर पर बोल रहे थे। अहमदाबाद के वैष्णोदेवी सर्कल के निकट बने सरदारधाम का ई लोकार्पण करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि किसी भी शुभ काम से पहले हमारे यहां गणेश पूजन की परंपरा है और सौभाग्य से सरदारधाम भवन का श्रीगणेश ही गणेश पूजन के अवसर पर हो रहा है।

कल श्रीगणेश चतुर्थी थी और अभी पूरा देश गणेशोत्सव मना रहा है। मैं आप सभी को गणेश चतुर्थी और गणेशोत्सव की हार्दिक बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि आज 11 सितंबर को एक और बड़ा अवसर है। आज भारत के महान विद्वान, दार्शनिक और स्वतंत्रता सेनानी सुब्रमण्यम भारती की 100वीं पुण्यतिथि है। सरदार साहब जिस एक भारत-श्रेष्ठ भारत का विजन लेकर चलते थे, वही दर्शन महाकवि भारती की तमिल लेखनी में पूरी दिव्यता के साथ निखरता रहा है। आज इस अवसर पर मैं एक महत्वपूर्ण घोषणा भी कर रहा हूं। बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी में सुब्रमण्यम भारती जी के नाम से एक चेयर स्थापित करने का निर्णयकिया गया है। तमिल स्टडी पर सुब्रमण्यम भारती चेयर बीएचयू फेकल्टी ऑफ आर्ट में स्थापित होगी। पीएम मोदी ने कहा कि गुजरात तो अतीत से लेकर आज तक साझा प्रयासों की ही धरती रही है।

आजादी की लड़ाई में गांधी जी ने यहीं से दांडी यात्रा की शुरूआत की थी, जो आज भी आजादी के लिए देश के एकजुट प्रयासों का प्रतीक है। इसी तरह खेडा आंदोलन में सरदार पटेल के नेतृत्व में किसान, नौजवान, गरीब एकजुटता ने अंग्रेजी हुकूमत को झुकने पर मजबूर कर दिया था। वो प्रेरणा, वो ऊर्जा आज भी गुजरात की धरती पर सरदार साहब की गगनचुंबी प्रतिमा, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के रूप में हमारे सामने खड़ी है। उन्होंने कहा कि पाटीदार समाज की तो पहचान रही है, ये जहां कहीं भी जाते हैं वहां के व्यापार को नई पहचान देते हैं। आपका ये हुनर अब गुजरात और देश में नहीं बल्कि पूरी दनिया में पहचाना जाने लगा है। पाटीदार समाज की एक और भी बड़ी खूबी है ये कहीं रहें, भारत का हित आपके लिए सर्वोपरि रहता है। पीएम मोदी ने कहा कि भविष्य में मार्केट में कैसी स्कील की डिमांड होगी, भविष्य के विश्व का नेतृत्व करने के लिए हमारे युवाओं को क्या कुछ चाहिए होगा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति स्टूडेंट्स को शुरूआत से ही इन वैश्विक वास्तविकता के लिए तैयार करेगी। उन्होंने कहा कि समाज के जो वर्ग, जो लोग पीछे छूट गए हैं,

उन्हें आगे लाने के लिए सतत प्रयास हो रहे हैं। आज एक ओर दलितों पिछड़ों के अधिकारों के लिए काम हो रहा है, तो वहीं आर्थिक आधार पर पिछड़ गए लोगों को भी 10 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है।

पत्नी के अपनी बहन के घर जाने से गुस्साए पति ने एक साल की बेटी को कुएं फैंका

क्रांति समय दैनिक समाचार

बनासकांठा,जिले के धाणधा गांव में माता-पिता के बीच लड़ाई का खामियाजा एक साल की मासूम बच्ची को भुगतना पड़ा। पति के साथ लड़ाई होने पर पत्नी एक साल की बेटी को लेकर बहन-बहनोई के घर चली गई। जहां उसका पति भी पहुंच गया और एक साल की बेटी को लेकर एक कुएं फैंक दिया और फरार हो गया। बच्ची को कुएं से निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक बनासकांठा जिले की अमीरगढ़ तहसील के थळा गांव निवासी उर्मिला चौहाण और उसके पति रमेश चौहाण के बीच आए दिन लड़ाई-झगडा होता था। झगड़ा होने पर उर्मिला पालनपुर तहसील के धाणधा गांव स्थित अपनी बहन-बहनोई के घर चली जाती। शुक्रवार को उर्मिला और रमेश के बीच फिर लड़ाई हुई और उर्मिला अपनी एक साल की बेटी को लेकर बहन-बहनोई के घर पहुंच गई। कुछ देर बाद उसका पति रमेश भी वहां पहुंच गया और कहा कि मुझे मेरी बेटी दे दे। उर्मिला से बेटी लेकर रमेश वहां से रवाना हो गया। एक घंटे बाद उर्मिला को पता चला कि रमेश ने उसकी बेटी को कुएं फैंक दिया है। जिसके बाद उर्मिला और उसकी बहन-बहनोई तुरंत कुएं पर पहुंच गए और मासूम बच्ची को कुएं से निकालकर पालनपुर के सिविल अस्पताल ले गए। जहां बच्ची का उपचार चल रहा है। उर्मिला की शिकायत के आधार पर पुलिस ने उसके पति रमेश चौहाण के खिलाफ जांच शुरूकी है।

पीएम मोदी ने सरदार पटेल की विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा बनाकर 'ऊंचे कद' के मनुष्य को दी सच्ची श्रद्धांजलिः मुख्यमंत्री

क्रांति समय दैनिक समाचार

मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कहा कि गुजरात की विकास यात्रा में पानीदार समाज अर्थात पाटीदार समाज ने बहुमूल्य योगदान दिया है। सरदार साहेब का स्मरण करते हुए उन्होंने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि सरदार के बताए हुए मार्ग पर चलकर सरदार धाम राष्ट्र निर्माण का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सरदार पटेल की विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा बनाकर ऊंचे कद के मनुष्य को सच्ची श्रद्धांजलि दी है। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी अहमदाबाद में २०० करोड़ की लागत से बने सरदारधाम के लोकार्पण के अवसर पर बोल रहे थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को सरदारधाम का ई लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात सरकार हमेशा सभी समाजों को साथ लेकर चलने वाली सरकार है। सरदार धाम में कन्या छात्रालय के निर्माण के लिए अधिक जमीन का उपयोग किया जा सके उस उदार आशय से उन्होंने ३० फीसदी कम जमीन की कटौती की घोषणा की थी। इसके चलते कन्या छात्रालय के निर्माण के लिए ज्यादा जमीन का इस्तेमाल किया जा सकेगा। इसके अलावा, श्री रूपाणी ने अहमदाबाद में निकोल इलाके में निर्माणाधीन छात्रालय के लिए भी ५० फीसदी की दर पर जमीन देने की घोषणा इस अवसर पर की, जिसका उपस्थित श्रोताओं ने करतल ध्वनि से स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने सरदार धाम के शैक्षणिक सुविधा विकसित करने के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सरदार धाम विभिन्न विकास कार्यों का केंद्र बन रहा है और आने वाली पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक के रूप में कार्य करेगा। उन्होंने सरदार धाम की समाज निर्माण के जरिए राष्ट्र निर्माण की उदार भावना की भी भूरि-भूरि प्रशंसा की।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री नितिनभाई पटेल ने 'जय सरदार' के नारे के साथ अपने संबोधन की शुरूआत करते हुए कहा कि देश की एकता और अखंडता सरदार साहेब का सपना था, जिसे साकार

देश की एकता और अखंडता का सरदार साहेब का सपना पीएम मोदी ने साकार कियाः उप मुख्यमंत्री

करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अहर्निश परिश्रम कर रहे हैं। पटेल ने कहा कि विश्वास हासिल करने के लिए प्रतिबद्धता होनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने अपनी प्रतिबद्धता से पूरे राष्ट्र का विश्वास अर्जित किया है और इस विश्वास के माध्यम से वे देश को विकास के मार्ग पर अग्रसर कर रहे हैं। उन्होंने इस अवसर पर कन्या

शिक्षा के लिए श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए अभियान का स्मरण करते हुए हर्ष जताया कि पाटीदार समाज ने इस अभियान को गति दी है।

केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री पुरूषोत्तमभाई रूपाला ने इस बात पर खुशी जताई कि पाटीदार समाज प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के स्वप्न को साकार करने के लिए बहुमूल्य योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा कि गुजरात में एक समाज के माध्यम से काफी अच्छा काम हो रहा है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुखभाई मांडविया ने कहा कि पाटीदार समाज ने शैक्षणिक परिसर, सामूहिक विवाह और सामूहिक विकास कार्यों के जरिए प्रधानमंत्री के संकल्प से सिद्धि के विचार को मूर्तिमंत किया है। उन्होंने कहा कि संकल्प कर उसे सिद्ध करना यह पाटीदार समाज का स्वभाव है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि पाटीदार समाज के लिए यह विशेष अवसर है। उन्होंने कहा कि यह नई परंपरा नहीं है क्योंकि पिछले सात सालों के दौरान पाटीदार समाज के अनेक कार्यक्रमों में उपस्थित रही हूं। समाज के सशक्तिकरण में पाटीदार अपना योगदान देता रहा है।

गृह राज्य मंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा ने अपने स्वामी विवेकानंद की जयंती का उल्लेख करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद ने मंत्र दिया था- 'उठो, जागो और तब तक मत रूको, जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए' पाटीदार समाज उनके इस मंत्र को चरितार्थ कर रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा से ही समाज का विकास संभव है।

कार्यक्रम में मंत्रीगण भूपेन्द्रसिंह चूड़ास्मा, कौशिकभाई पटेल, कुंवरजीभाई बावलिया, योगेशभाई पटेल, जयेशभाई रादड़िया, गुजरात प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री सी.आर. पाटिल, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष परेशभाई धानाणी, विधानसभा के सचेतक पंकजभाई देसाई,

सरदारधाम को ई लोकार्पण

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को अहमदाबाद के वैष्णोदेवी सर्कल के निकट रु 200 करोड़ की लागत से सरदारधाम को ई लोकार्पण किया। साथ ही सरदारधाम फेज-2 गर्ल्स होस्टेल का भूमिपूजन भी किया। सरदारधाम में स्पर्धात्मक परीक्षा की तैयारियां करने वाले ग्राम

मुख्यमंत्री के इस्तीफे के बाद भाजपा के सभी विधायकों को गांधीनगर पहुंचने के आदेश

क्रांति समय दैनिक समाचार

गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के इस्तीफे के बाद राजधानी गांधीनगर में सियासी हलचल तेज हो गई है। गुजरात प्रदेश भाजपा मुख्यालय कमलम में नेताओं की बैठकों का दौर जारी है। कमलम में आज भाजपा के दिग्गज नेता वी सतीश, भूपेन्द्र यादव और बीएल संतोष के बीच महत्वपूर्ण बैठक हुई है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के भी आज शाम तक गुजरात पहुंचने की संभावना है। दूसरी ओर भाजपा ने अपने सभी विधायकों को गांधीनगर पहुंचने का आदेश दिया है। रविवार को भाजपा विधायक दल की बैठक होगी, जिसमें नए मुख्यमंत्री को लेकर उनकी राय ली जाएगी। जानकारी है कि अमित शाह भी विधायकों के साथ बैठक करेंगे। भाजपा विधायक दल की बैठक के बाद गुजरात के नए मुख्यमंत्री का ऐलान किया जा सकता है। गौरतलब है कि शनिवार को मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने अपने पद से इस्तीफा देकर सभी को चौंका दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अहमदाबाद में सरदारधाम का लोकार्पण किया था। जिसमें मुख्यमंत्री विजय रूपाणी, उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल, केन्द्रीय मंत्री पुरूषोत्तम रूपाला और मनसुख मांडविया समेत गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील मौजूद थे। कार्यक्रम खत्म होने के बाद विजय रूपाणी उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल, शिक्षा मंत्री भूपेन्द्रसिंह चूडास्मा, गृह राज्यमंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा, केन्द्रीय मंत्री पुरूषोत्तम रूपाला के साथ सीधे राजभवन पहुंचे। राजभवन में मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने राज्यपाल को अपने पद से इस्तीफा सौंप दिया।

भाजपा सरकार की निष्फलता छिपाने विजय रूपाणी का इस्तीफा लिया गया : कांग्रेस

क्रांति समय दैनिक समाचार

गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी को लेकर कांग्रेस ने भाजपा पर कड़े प्रहार किए हैं। गुजरात प्रदेश कांग्रेस प्रमुख अमित चावड़ा ने सरकार पर सीधे प्रहार करते हुए कहा कि राज्य के सभी वर्ग के लोग आर्थिक रूप से बर्बाद हो चुके हैं। भाजपा सरकार में गुजराती मुश्किलों से जूझ रहे हैं। सरकार की निष्फलता छिपाने के लिए रिमोट कंट्रोल से चलने वाले विजय रूपाणी का इस्तीफा लिया गया है। आनंदीबेन पटेल के बाद विजय रूपाणी से इस्तीफा आंतरिक विखवाद के कारण लिया गया है। अमित चावड़ा ने कहा कि पांच साल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में हुए कार्यक्रम के दौरान ही तय हो गया था कि विजय रूपाणी की धूमधड़ाके के साथ बिदाई होगी। विपक्ष के नेता परेश धानाणी ने कहा कि विजय रूपाणी से जैसे सरल और सौम्य व्यक्ति से मुख्यमंत्री का कार्यकाल पूर्ण होने से पहले इस्तीफा लेना दुर्भाग्यपूर्ण है। महंगाई के लिए पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि भाजपा की निष्फलता का इकरार आंतरिक तकरार से सामने आ गया है। सरकार की निष्फलता छिपाने के लिए विजय रूपाणी का इस्तीफा लिया गया है। धानाणी ने कहा कि पिछले २० साल से डर का माहौल बनाकर भाजपा अपनी सत्ता बरकरार रखे हुए है। भाजपा के संवेदनाहीन शासकों की वजह से कोरोनाकाल में हजारों लोगों की मौत हो गई। भाजपा अपनी निष्फलता छिपाने के लिए गुजरात में चेहरा बदलेगी। गुजरात कांग्रेस के कार्यकारी प्रमुख हार्दिक पटेल ने विजय रूपाणी के इस्तीफे पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है। हार्दिक पटेल ने कहा कि विजय रूपाणी के इस्तीफे से स्पष्ट हो गया है कि भाजपा गुजरात में सरकार चलाने में पूरी तरह से नाकाम रही है। कोरोनाकाल के दौरान ऑक्सीजन, अस्पताल में बेड का अभाव, स्मशान घरों की भयानक तस्वीरों ने दुनिया में गुजरात की छवि को कलंकित किया है। राज्य में लगातार बढ़ रही महंगाई, व्यापारियों की मुश्किलें, युवाओं में बेरोजगारी और उद्योग-धंधे बंद होने से लोग परेशान हो चुके हैं। दिल्ली के रिमोट कंट्रोल से चलने वाली गुजरात सरकार कब तक अपनी निष्फलता छिपाएगी? इससे पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अर्जुन मोढवाडिया ने विजय रूपाणी के इस्तीफे पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा था कि रिमोट कंट्रोल से सरकार चलाने वालों ने अपनी निष्फलता छिपाने के लिए गुजरात के मुख्यमंत्री को बलि का बकरा बनाया है।

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे
अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com